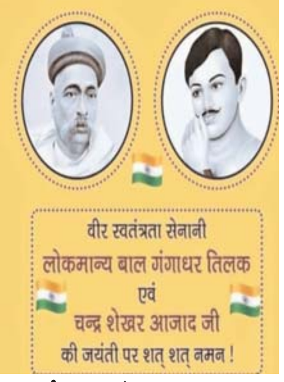

दैनिक

सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 9/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, मंगलवार 23 जुलाई 2024 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

मोदी की गारंटी की दिखी झलक

बजट में सभी को राहत

केन्द्रीय बजट 2024-25

न्यू रिजीम में 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री

सहयोगी नीतीश को 59 हजार करोड़

नायडू को 15 हजार करोड़

गरीब, महिला, युवा और किसान को प्राथमिकता

मोदी सरकार ने रोजगार के लिए खोला खजाना, चार करोड़ से ज्यादा युवाओं को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली एजेंसी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में मोदी 3.0 सरकार का पूर्ण बजट पेश किया। मोदी की गारंटी वाला बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने गांव, गरीब, युवा और किसानों के लिए अपना खजाना खोल दिया है। वित्त मंत्री ने जहां महिलाओं और युवाओं का विशेष ख्याल रखा तो किसान भी सरकार की प्राथमिकता पर नजर आए। इसके साथ ही मध्यम वर्ग की पुरानी मांग पर राहत देते हुए उन्होंने इनकम टैक्स पर भी राहत प्रदान की है। उनका 1 घंटे 23 मिनट का भाषण सैलरीड क्लास के लिए थोड़ी राहत लेकर आया। नई टैक्स रिजीम चुनने वालों के लिए अब 7.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री हो गई है। यानी उन्हें 17.5 हजार रुपए का फायदा हुआ है।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से बढ़ाकर 75 हजार किया गया। इसके अलावा 0 से 3 लाख तक कोई टैक्स नहीं देना होगा। 3 से 7 लाख रुपए तक 5 फीसदी, 7 से 10 लाख रुपए तक 10 फीसदी, 10 से 12 लाख रुपए तक 15 फीसदी। 12 से 15 लाख तक 20 फीसदी। 15 लाख से ज्यादा की सैलरी पर 30 फीसदी टैक्स लगेगा।

मोबाइल फोन, कैमरे होंगे सस्ते, सिगरेट महंगी

बजट में मोबाइल फोन मैन्युफैक्चरिंग को लेकर भी बड़ा ऐलान किया है। बजट में मोबाइल फोन्स के कुछ पार्ट्स पर कस्टम ड्यूटी को घटाने का एलान किया है। वहीं, सोना-चांदी से बने गहनों पर भी बड़ी घोषणा की। बजट में कुछ चीजें सस्ती हुई तो कुछ महंगी।

ये चीजें हुईं सस्ती: मोबाइल फोन, कैमरे सस्ते होंगे। एलईडी टेलीविजन सस्ते होंगे। इलेक्ट्रॉनिक वाहन सस्ते होंगे। बायो गैस से जुड़ी चीजें सस्ती होंगी। खिलौने, साइकिल सस्ती होंगी। सीमा शुल्क 13 फीसदी किया गया। बैटरी पर आयात शुल्क घटाया जाएगा. सोना-चांदी से बने गहने सस्ते होंगे।

ये हुईं महंगी

रसोई गैस की चिमनी महंगी होगी। सिगरेट महंगी होगी। हवाई जहाज से यात्रा। प्लास्टिक का सामान। पेट्रोकेमिकल

पीएम मोदी बोले-

'यह मिडिल क्लास को नई ताकत देने वाला बजट, सभी के लिए अनगिनत अवसर पैदा होंगे'

नई दिल्ली। मोदी सरकार 3.0 का पहला आम बजट मंगलवार को पेश हो गया। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने लगातार सातवीं बार बजट भाषण पढ़ा। सरकार का फोकस रोजगार सृजन पर है। इसके लिए तीन योजनाओं का एलान किया गया है। पीएम आवास योजना का विस्तार किया गया है। मुद्रा लोन की सीमा बढ़ाई गई है। बिहार और आंध्र प्रदेश के लिए स्पेशल पैकेज की घोषणा की गई है। इनकम टैक्स व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

झलकियां

किसानों के लिए क्या?

फसलों के डिजिटल सर्वेक्षण से लेकर प्राकृतिक खेती तक, बजट में ऐसे रखा गया अन्नदाताओं का ध्यान

बिहार

%विशेष राज्य% की तरह विकसित करेगी मोदी सरकार; बजट में पूर्वोदय योजना से साधे कई निशाने

क्या है NPS-Vatsalya?

बच्चों के लिए माता-पिता ऐसे कर सकेंगे बचत, वयस्क होने पर मिलेगा फायदा

पीएम आवास

एक करोड़ गरीब-मध्यम वर्ग के परिवारों को घर, शहरी आवास के लिए ब्याज सब्सिडी योजना

मध्यम वर्ग के लिए क्या?

मोबाइल के अलावा मध्यम वर्ग के लिए सरकार ने किए कौन-कौन से बड़ एलान

स्वास्थ्य क्षेत्र

कैंसर रोगियों के लिए बड़ी राहत, जानिए स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए इस बार के बजट में क्या रहा खास?

अन्य

इंफ्रास्ट्रक्चर-उद्योग और शहरी विकास से लेकर ऊर्जा क्षेत्र तक, जानें आम बजट के बड़े एलान

आंध्र प्रदेश

विशेष दर्जे की जगह आधारभूत ढांचे को बढ़ाने में मदद का एलान, मिलेगी वित्तीय सहायता

नेचुरल फार्मिंग पर सरकार फोकस, एक करोड़ किसानों को जोड़ेंगे

बजट में सरकार ने नेचुरल फार्मिंग पर जोर दिया है। एक साल में 1 करोड़ किसानों को इससे जोड़ने के लिए योजना का एलान किया गया है। इसके लिए खेती में अनुसंधान, एक्सपर्ट की निगरानी, जलवायु के हिसाब से नई वैरायटी को बढ़ावा दिया जाएगा।

किसानों के लिए बड़ी घोषणाएं

- 6 करोड़ किसानों की जमीन का ब्योरा लैंड रजिस्ट्री पर लाया जाएगा।
- 5 राज्यों में नए किसान क्रेडिट कार्ड जारी किए जाएंगे।

महाबोधि मंदिर का विकास होगा

सरकार ने बिहार में पर्यटन बढ़ाने के लिए बड़ी घोषणाएं की हैं। महाबोधि मंदिर (बोधगया) और विष्णुपद मंदिर (गया) में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर विकास कार्य किया जाएगा। राजगीर और नालंदा में भी पर्यटन पर निवेश की घोषणा की गई है।

बजट की प्राथमिकताएं

- कृषि क्षेत्र में उत्पादकता और लचीलापन
- रोजगार एवं कौशल
- समावेशी मानव संसाधन विकास एवं सामाजिक न्याय
- विनिर्माण एवं सेवाएं
- शहरी विकास
- ऊर्जा संरक्षण
- अवसंरचना
- नवाचार, अनुसंधान एवं विकास
- नई पीढ़ी के सुधार

गरीब, महिला, युवा और अन्नदाताओं पर फोकस

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट भाषण के शुरू में कहा, 'मोदी सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में आई है। भारत में महंगाई दर लगातार कम हो रही है। ये बजट गरीब, महिला, युवा और अन्नदाताओं पर फोकस है।'

टैक्स पर हुई ये घोषणाएं

- टैक्स एक्ट की समीक्षा की जाएगी।
- इनकम टैक्स व्यवस्था को आसान बनाया जाएगा।
- टीडीएस समय पर नहीं देना अब अपराध नहीं होगा।
- कैपिटल गेन टैक्स आसान किया जाएगा।

दिवालिया मामलों के लिए एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच बनाया जाएगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, %दिवालियापन एवं दिवालियापन संहिता के तहत परिणामों में सुधार के लिए एकीकृत प्रौद्योगिकी मंच स्थापित किया जाएगा। ऋण वसूली न्यायाधिकरणों को मजबूत किया जाएगा और वसूली में तेजी लाने के लिए अतिरिक्त न्यायाधिकरण स्थापित किए जाएंगे।%

धार्मिक पर्यटन बढ़ाने पर सरकार का जोर

पर्यटन के विकास पर केंद्र सरकार का विशेष ध्यान है। बोधगया के महाबोधि मंदिर के लिए कॉरिडोर निर्माण का एलान किया गया है। गया के विष्णुपद मंदिर के लिए कॉरिडोर बनेगा। यह काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के विकास पर आधारित होंगे। राजगीर भी बौद्ध और जैन श्रद्धालुओं के लिए महत्वपूर्ण हैं। राजगीर के तीर्थ क्षेत्रों का भी विकास होगा। नालंदा को भी पर्यटन केंद्र के रूप में मजबूत करने के लिए वहां विकास जाएगा।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत

निशुल्क सौर बिजली योजना पर केंद्र सरकार का विशेष ध्यान है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, %प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की शुरुआत की गई है, जिसके तहत छतों पर सोलर पैनल लगाए जाएंगे, जिससे 1 करोड़ परिवारों को हर महीने 300 यूनिट तक निशुल्क बिजली मिल सकेगी। यह योजना इसे और बढ़ावा देगी।

प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ किया जाएगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, %25,000 ग्रामीण बस्तियों को सभी मौसमों के अनुकूल सड़कें प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना चरण 4 का शुभारंभ

किया जाएगा। बिहार में अक्सर बाढ़ आती रहती है। नेपाल में बाढ़ नियंत्रण संरचनाओं के निर्माण की योजना अभी तक आगे नहीं बढ़ पाई है। हमारी सरकार 11,500 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। असम, जो हर साल बाढ़ से जूझता है, उसे बाढ़ प्रबंधन और संबंधित परियोजनाओं के लिए सहायता मिलेगी। बाढ़ के कारण व्यापक नुकसान झेलने वाले हिमाचल प्रदेश को भी बहुपक्षीय सहायता के माध्यम से पुनर्निर्माण के लिए समर्थन मिलेगा। इसके अतिरिक्त, उत्तराखंड, जिसे भूस्खलन और बादल फटने से काफी नुकसान हुआ है, उसे आवश्यक सहायता प्रदान की जाएगी।%

सीएम बोले- बजट से दुनिया में भारत की पहचान बढ़ेगी

महंगाई दर कम करने की भावना, एमपी को भी आगे बढ़ने का मौका मिलेगा

भोपाल। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को केंद्र सरकार का बजट पेश किया। बजट को मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुनिया में भारत की पहचान बढ़ाने वाला बताया। कहा- आज जो बजट प्रस्तुत किया है, उसमें महंगाई दर को कम करने की भावना परिलक्षित होती है।

सरकार की 9 सूत्रीय योजनाएं कृषि उत्पादकता, रोजगार व कौशल प्रशिक्षण, आर्थिक व समावेशी विकास और सामाजिक न्याय पर यह बजट केंद्रित है। विकसित भारत में ही विकसित मध्यप्रदेश की भावना छिपी है।

अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला

मुख्यमंत्री ने कहा- यह बजट किसानों, महिलाओं, गरीबों, युवाओं सहित सभी वर्गों के कल्याण एवं उत्थान पर केंद्रित है। नई टैक्स रिजीम में स्टैंडर्ड डिडक्शन को 50 हजार से 75000 रुपए, मुद्रा ऋण की सीमा ?10 लाख से बढ़ाकर ?20 लाख करने तथा 30 लाख युवाओं के कौशल विकास के लिए 2 लाख करोड़ के पैकेज करने का निर्णय ऐतिहासिक है। यह बजट विकसित भारत की ध्येय प्राप्ति का आधार बन हर भारतीय की अपेक्षाओं व आकांक्षाओं को पूर्ण करने वाला है।

शिवराज ने कहा- कृषि के आधुनिकीकरण को समर्पित

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहा ने कहा-किसानों के सशक्तिकरण और कृषि के आधुनिकीकरण को समर्पित बजट है। किसानों को दीर्घकालिक लाभ देने, कृषि को टेक्नॉलॉजी आधारित और केमिकल फ्री बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। सरकार ने देशभर के 1 करोड़ किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ने का लक्ष्य रखा है। खेती के विविधीकरण तथा जलवायु के अनुकूल किस्मों के विकास पर जोर देने के लिए बजट में प्रावधान किए गए हैं। जिसके अंतर्गत कृषि की 32 और बागवानी फसलों की 109 नई किस्में जारी की जाएंगी।

मंत्री विजयवर्गीय बोले- बजट में असीम संभावनाएं

नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बजट को सर्व जन हिताय, सर्व जन सुखाय बताया। कहा- बजट आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की मजबूत नींव है। बजट में असीम संभावनाएं हैं। हर वर्ग का हित निहित है। बजट नए भारत की समृद्धि का संकल्प और विकसित भारत के लक्ष्य को दर्शाता है। यह अंत्योदय का विजन है। देशवासियों की सेवा का लक्ष्य है। यह बजट गांव, गरीब, किसान, नौजवान और बहनों समेत समाज के हर वर्ग की आशाओं एवं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास तथा उत्थान की आशाओं को पूरा करता है।

बिहार के पीरपैंती में 2400 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र बनेगा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, %21,400 करोड़ रुपये की लागत से बिहार के पीरपैंती में 2400 मेगावाट का नया बिजली संयंत्र स्थापित करने सहित बिजली परियोजनाएं शुरू की जाएंगी। बिहार में नए हवाई अड्डे, मेडिकल कॉलेज और खेल बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा। बहुपक्षीय विकास बैंकों से बाहरी सहायता के लिए

बिहार सरकार के अनुरोधों पर शीघ्रता से काम किया जाएगा... हमारी सरकार ने आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए प्रयास किए हैं। राज्य की पूंजी की आवश्यकता को समझते हुए, हम बहुपक्षीय एजेंसियों के माध्यम से विशेष वित्तीय सहायता की सुविधा प्रदान करेंगे। चालू वित्त वर्ष में, भविष्य के वर्षों में अतिरिक्त राशि के साथ 15,000 करोड़ रुपये की व्यवस्था की जाएगी।

पहली बार नौकरी पाने वालों को तोहफा

सरकार की नौ प्राथमिकताओं में से एक है रोजगार और कौशल विकास। इसके तहत पहली बार नौकरी करने वालों को बड़ी मदद मिलने जा रही है। फॉर्मल सेक्टर में पहली बार नौकरी की शुरुआत करने वालों को एक महीने का वेतन दिया जाएगा। यह वेतन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए तीन किस्तों में जारी होगा। इसकी अधिकतम राशि 15 हजार रुपये होगी। ईपीएफओ में पंजीकृत लोगों को यह मदद मिलेगी। योग्यता सीमा एक लाख रुपये प्रति माह होगी। इससे 2.10 करोड़ युवाओं को फायदा होगा। सरकार रोजगार में प्रवेश करने वाले 30 लाख युवाओं को भी फायदा देने जा रही है। यह फायदा भविष्य निधि यानी पीएफ में एक महीने के योगदान के रूप में होगा।

अंतर्राष्ट्रीय मस्तिष्क दिवस

सार्थक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो हमें अपने मस्तिष्क का पुनर्संयोजन करना होगा : योग गुरु महेश

आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि हर साल 22 जुलाई को विश्व मस्तिष्क दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य मस्तिष्क विकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और मस्तिष्क विकलांगताओं की रोकथाम और उपचार को आमजन तक पहुंचाना है।

मानव मस्तिष्क शरीर का एक आवश्यक अंग होने के साथ-साथ प्रकृति की एक उत्कृष्ट रचना भी है। यह हमारी इच्छाओं, संवेगों, मन, बुद्धि, चित्त, अहंकार, चेतना, ज्ञान, अनुभव, व्यक्तित्व इत्यादि का केन्द्र भी होता है। मस्तिष्क का अध्ययन इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि क्योंकि यह प्रकृति की एकमात्र रचना है जिसमें प्रकृति को प्रभावित करने की क्षमता होती है। वास्तव में प्रकृति के साथ इसका संबंध द्विदिशात्मक होता है। अर्थात् यह अंग प्रकृति से प्रभावित होने के साथ-साथ प्रकृति को प्रभावित भी करता है। एक पुरानी कहावत है कि एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मन का वास होता है। वर्तमान समय में यह कहावत बिलकुल सही सिद्ध हुई है एवं इसका दूसरा पक्ष भी उतना ही सही है। हमारा शारीरिक स्वास्थ्य बहुत सीमा तक हमारी मानसिक स्थितियों पर निर्भर करता है। तनाव, स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव डालते हैं और स्वस्थ मानसिक स्थिति शारीरिक स्वास्थ्य के अनुकूल होती है। मनोतंत्रिका प्रतिरक्षाविज्ञान की समग्रतात्मक संकल्पना पूर्णतः इसी पर आधारित है। इसके अनुसार हमारे स्वास्थ्य के लिए हमारी मानसिक स्थितियां, मस्तिष्क, अन्तःस्रावी तंत्र एवं प्रतिरक्षा तंत्र सामूहिक रूप से कार्य करते हैं और ये सब आपस में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जुड़ कर समस्थापन का कार्य करते हैं। इनकी अन्तःक्रिया हमारे स्वास्थ्य के रूप में परिलक्षित होती है। स्वास्थ्य की यह संकल्पना कोई बहुत नई नहीं है। हमारे पारंपरिक चिकित्साविज्ञान (आयुर्वेद) में शारीरिक स्वास्थ्य के लिए मानसिक शुचिता पर बल दिया गया है। योगविज्ञान में बताए गए प्राणायाम तथा आसन, मन एवं शरीर को स्वस्थ रखने के साधन कहे गए हैं। वर्तमान शोध भी इस बात की ओर संकेत करते हैं कि यौगिक आसन एवं प्राणायाम यदि सही विधि एवं नियमित रूप से किये जाएं तो उनसे बहुत लाभ मिल सकता है।

मानव मस्तिष्क एक सर्वाधिक विलक्षण चीज है, जो कम्प्यूटर यंत्र के सदृश है। यह एक ऐसा जीवित कम्प्यूटर है जिसकी बनावट और पेचीदगी कल्पना से परे है। आधुनिक वैज्ञानिकों के मतानुसार इसमें दस से तेरह अरब न्यूरॉन्स हैं जो बाह्य जगत् एवं शरीर से प्राप्त संवादों-संवेगों का संचालन, विश्लेषण, तुलनात्मक अध्ययन व प्रसारण करते हैं। शरीर के प्रत्येक अंग से संवेदी आँकड़ों के साथ- साथ प्रति क्षण ये ज्ञानेन्द्रियों द्वारा करोड़ों संवादों को प्राप्त कर उन पर कार्य करने में सक्षम हैं। याद रखें शरीर के प्रत्येक बाल का सम्बन्ध मस्तिष्क से है। शरीर के प्रत्येक वर्ग इंच का सम्बन्ध मस्तिष्क के बहुसंख्यक सूत्रों से है।

इसके अलावा अवचेतन मन के क्षेत्र में असंख्य क्रियाएँ होती रहती हैं, जिनसे हम अनभिज्ञ हैं। यदि हमें इन सबकी जानकारी

होती तो हम सूचनाओं की बाढ़ में डूब जाते। इस परिस्थिति में यह आवश्यक है कि हमारी चेतना शरीर और इन्द्रिय संवेदनाओं की क्रियाओं से मुक्त होकर दूसरे कार्यों का सम्पादन कर सके।

मस्तिष्क का यंत्र कैसे कार्य कर रहा है, यह जानना आवश्यक है। हमारा मस्तिष्क विद्युत द्वारा परिचालित आधुनिक कम्प्यूटर यंत्र की भाँति है। यदि कम्प्यूटर का संचालक किसी प्रश्न को हल करना चाहता है तो उसका उत्तर पाने में वह ज्यादा उत्सुक रहता है, न कि प्रश्न हल करने की क्रियाविधियों में। लेकिन यंत्र बिगड़ जाने पर यंत्र चालक उसकी गतिविधियों को जानने का प्रयास करता है। जब मशीन में ही गड़बड़ी रहती है तो सही उत्तर पाने की कैसे आशा की जा सकती है? गड़बड़ी या तो संयोजन में होती है या यंत्र में।

हममें से अधिकतर लोग जिस कम्प्यूटर रूपी मस्तिष्क को लेकर चल रहे हैं उससे भ्रामक उत्तर ही प्राप्त होते हैं। वास्तव में कुछ अपवादों को छोड़कर मस्तिष्क में गड़बड़ी नहीं है, गड़बड़ी है उसके संयोजन में। दूसरे शब्दों में, अगर हम एक सार्थक जीवन व्यतीत करना चाहते हैं तो हमें अपने मस्तिष्क का पुनर्संयोजन करना होगा। गलत मानसिक संयोजन की आदत हमने जन्म से ही डाल ली है, जिसके फलस्वरूप हम जीवन में सुख-शान्ति की कमी की स्थिति झेल रहे हैं। मन को पुनः संयोजित करके हम एक ऐसे जीवन की देहरी पर पदार्पण करेंगे, जहाँ एक नयी उल्लास भरी सार्थकता होगी। भली प्रकार से संयोजित किया हुआ मन इस संसार को सच्चा स्वर्ग बना देगा। यदि मन की स्थिति विपरीत हुई तो जीवन नारकीय बन जायेगा।

हमारा मानसिक संयोजन ही हमारे दुःखों का कारण है। हम अपने अहं को पुष्ट करके आनन्द की खोज करते हैं। इस तरह से सुख खोजने का यह परिणाम होता है कि हमें धन की प्राप्ति, नयी कार खरीदने, खान-पान, मान- मर्यादा और प्रभुता स्थापित करने में सुख की प्राप्ति दिखायी देती है, जो कि क्षणिक है। एक वाक्य में कहें तो हम अपने अहं के पोषण में ही सुख का अनुभव प्राप्त करने का प्रयास करने लगते हैं। सुख प्राप्ति के इस प्रकार के प्रयास के फलस्वरूप हम अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए दूसरे लोगों का उपयोग करने को बाध्य हो जाते हैं। यदि वे हमारे रास्ते में आते हैं तो हम हर सम्भव प्रयास कर उन्हें अपने रास्ते से हटाने का प्रयास करते हैं, जिसके फलस्वरूप घृणा, ईर्ष्या, चिन्ता, तनाव और भय आदि से वातावरण दूषित हो जाता है। आनन्द की खोज के इस तरीके का परिणाम विपरीत ही होता है। अगर हमें इच्छित वस्तु प्राप्त नहीं होती तो हमारे मन में कई तरह के मानसिक तनाव, दुःख और अशान्ति व्याप्त हो जाते हैं।

ये सभी वस्तुएँ हमें सुख नहीं दे पाती हैं, इसके बावजूद हम इन चीजों के पीछे क्यों भाग रहे हैं? इसका उत्तर यही है कि हमारे

मन का संयोजन ही ऐसा है कि हम इन क्षणिक चीजों में सुख खोजने लगते हैं। आजकल जैसे कम्प्यूटर यंत्र बिगड़ जाने पर उसे नये ढंग से सुधार सकते हैं, उसी प्रकार अपने मन को सुधारने के लिये उसका पुनर्संयोजन कर सकते हैं। आवश्यक प्रयास करने से यह संभव है। इस नये संयोजन के परिणामस्वरूप हम अपने वातावरण के प्रति नवीन तथा बेहतर प्रतिक्रियायें व्यक्त करेंगे और तब हमारा आनन्द अहंकार की तृष्टि और वासनाओं पर निर्भर नहीं रहेगा।

यदि हम जीवन में अपने आसपास के वातावरण तथा लोगों के साथ निरन्तर संघर्षरत रहें तो ध्यान सर्वथा असंभव है। अगर हम जीवन में संघर्षरत रहने की अपेक्षा जीवन-धारा में बह चलें तो ध्यान स्वतः लगा करेगा। यदि हम अपने मन का पुनर्संयोजन कर सकें तो हम वातावरण के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं, तब बिना प्रयास के ध्यान स्वतः लग जाएगा। इससे हमारी चेतना विस्तृत होगी। आनन्द इसी उन्मुक्त चेतना की देन है।

संसार को खींच-तान कर अपनी इच्छा के अनुरूप बनाने से आनन्द नहीं मिलेगा। आनन्द अपने मन के ऊपर निर्भर करता है, न कि संसार को अपनी इच्छाओं के अनुरूप बनाने पर अपने मन के विचारों को नये ढंग से संयोजित करने से हम चिरस्थायी आनन्द पा सकते हैं जो हमारी आत्मा अंदर स्वयं विद्यमान है।

वर्तमान जीवन की हमारी मान्यताएँ और धारणाएँ, रुचि अरुचि, राग- द्वेष, रह-रह कर उठने वाली ईर्ष्या आदि के द्वारा संसार की जो व्याख्या की जाती है, वह बिल्कुल विकृत और निराधार है। हमारा मन उन्हीं सूचनाओं और संवेदनाओं को ग्रहण करता है जो उसकी पूर्व-निश्चित धारणाओं और संयोजन के अनुरूप हुआ करते हैं। दूसरे शब्दों में, यदि हम ऐसा अनुभव करें कि संसार में हर कोई हमसे घृणा का भाव रखता है तब हमारा मन उसी प्रकार की सूचनाओं को तेजी से ग्रहण करेगा जो घृणा को बढ़ाने वाली होंगी। तब मन दूसरे प्रकार के अनुभवों को दबा देगा। यदि हम समझें कि संसार में हर कोई हमें प्यार करता है तो हमारा मन बाह्य जगत् की सारी घटनाओं को प्रेम के ही रंग में रंगा हुआ देखेगा। ऐसे अनेक उदाहरणों से हम देख सकते हैं कि मन बाह्य घटनाओं को अपने संयोजन के अनुरूप सिद्ध करने में बहुत पटु है। हम भ्रम के जाल में अधिकाधिक उलझते चले जाते हैं। बाहरी दुनिया का यथार्थ स्वरूप हम इसी मन के कारण, अपनी कामनाओं के कारण नहीं देख पाते। याद रखें, हमारे कहने का तात्पर्य यह कदापि नहीं है कि कामनायें एवं इच्छाएँ बुरी होती हैं। परन्तु आध्यात्मिकता के विकास और ध्यान के अनुभवों की प्राप्ति में वे बाधक अवश्य हैं। अवर्णनीय आनन्द और उच्चतर चेतना हमारी प्रतीक्षा कर रही है। हमें मात्र अपने मन का पुनर्संयोजन करना है और ध्यान में रत हो जाना है।

जन कल्याण हिंदू उत्सव समिति की बैठक संपन्न

भोपाल। जन कल्याण हिंदू उत्सव समिति बरखेड़ी कला समिति सदस्यों की 12 अक्टूबर को होने वाले दशहरा उत्सव की तैयारी हेतु प्रथम आवश्यक बैठक बरखेड़ी कला कार्यालय वार्ड क्रमांक 26 दक्षिण पश्चिम विधानसभा में संपन्न हुई सभी सदस्यों ने दशहरे उत्सव को लेकर अपने-अपने विचार रखें इस बैठक में समिति अध्यक्ष श्री जीवन मारण, उपाध्यक्ष जगदीश मारण ,सहसचिव राकेश चांद सिंह, उपाध्यक्ष श्री वैभव सिंह सिसोदिया, आतिशबाजी प्रभारी आजाद मारण, राजेंद्र सोनी, सुदेश मारण सदस्य उपस्थित हुए

स्कूल लीडर्स कॉन्क्लेवः स्कूलों मे स्टेम शिक्षा विज्ञान एवं तंत्र निर्माण पर चर्चा हुई

भोपाल। एक्स्ट्रामार्क्स एजुकेशन द्वारा स्कूल लीडर्स कॉन्क्लेव की राष्ट्रीय श्रंखला के माध्यम से होटल रेडिसन भोपाल में एक कार्यशाला का आयोजन किया जिसमे भोपाल के प्रतिष्ठित स्कूलों में स्टेम शिक्षा को बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए प्रिन्सिपल डायरेक्टर, शिक्षक और विशेषज्ञ एकत्रित हुए। एक्स्ट्रामार्क्स एजुकेशन की निदेशक सुश्री पूनम सिंह जामवाल ने स्टेम में मध्यप्रदेश के महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला और डिजिटल साक्षरता और व्यक्तिगत शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। पैनल चर्चाओं में मिश्रित शिक्षा को एकीकृत करने, रचनात्मकता को बढ़ावा देने और कक्षाओं को बदलने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में बिलाबॉन्ग हाई इंटरनेशनल स्कूल,आईईएस ग्रुप ऑफ स्कूल, सतपुड़ा वैली ग्रुप ,वात्सल्य विद्यालय के साथ मध्य प्रदेश के करीब 30 प्रतिष्ठित स्कूल सम्मलित हुए।

संस्कार के नवनिर्मित ब्लाक का लोकार्पण

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में विद्यार्थियों की सुविधा को ध्याान रखते हुए विद्यालय के भवन निर्माण में विस्तार करते हुए विद्यालय में एक फ्लोर का विस्तार किया गया। जिसका लोकापर्ण कल दिनांक 23.07.2024 दिन मंगलवार को प्रातः 08:30 बजे हनुमान चालीसा के पाठ के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष श्री सुषील वासवानी, सचिव श्री बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष श्री सुरेष राजपाल, सहसचिव श्री नरेष वासवानी, कोषाध्यक्ष श्री चन्दर नागदेव, लेखापरीक्षक श्री पुरषोतम टिलवानी, कार्यकारणी सदस्य-नारायणदास लालवानी, के.एस.चन्दनानी, राजकुमार झमटानी, के.टी.दादलानी, नानक पारवानी, गुलाब सहजवानी, विद्यालय के प्राचार्य श्री आर.के. मिश्रा, उपप्राचार्या श्रीमती मीनल नरयानी, प्रधानाचार्या सुश्री मृदुला गौतम, समस्त षिक्षक समुदाय एवं विद्यार्थिगण उपस्थित होगें। संस्कार विद्यालय परिवार ने संत नगर के सभी वरिष्ठ एवं गणमान्य नागरिकों से इस कार्यक्रम में उपस्थित होने की अपील की है।

राजस्व महा-अभियान को लेकर फंदा ब्लॉक के सरपंचों के साथ विधायक ने बैठक की

सरकारी योजनाओं की धरातलीय सार्थकता जनप्रतिनिधियों का दायित्व है: रामेश्वर शर्मा

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा राजस्व महा-अभियान 2.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान के माध्यम से सरकार गांव-गांव में जमीन संबंधित मामलों में नागरिकजनों को सुविधा प्रदान कर रही है। प्रदेशभर में यह अभियान 45 दिन तक चलेगा जिसमें बटवारा, नामांतरण आदि कार्यों को नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के लिए कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री के इस महा-अभियान को लेकर सोमवार को हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने फंदा जनपद पंचायत के समस्त सरपंचों के साथ बैठक की। इस बैठक में विधायक शर्मा ने राजस्व महा-अभियान के प्रचार-प्रसार के साथ अभियान की जमीनी स्तर पर सार्थकता हेतु निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने पर्यावरण संरक्षण हेतु मोहन सरकार द्वारा चलाए जा रहे महत्वाकांक्षी अभियान %एक पेड़ मां के नाम% अभियान की समीक्षा भी की साथ ही सभी जनप्रतिनिधियों से गांव-गांव वृक्षारोपण कराकर उनके संरक्षण हेतु

भी निर्देशित किया। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - हुजूर का हर गांव सर्व सुविधायुक्त हो, यही हमारी प्राथमिकता है। प्रत्येक गांव में सरकारी अभियानांतर्गत नागरिक सुविधा सुनिश्चित करना जनप्रतिनिधियों का कार्य है। साथ ही योजनाओं की धरातलीय सार्थकता सुनिश्चित करना भी भी जनप्रतिनिधियों का दायित्व है। इसलिए हर जनप्रतिनिधि को पूरी जिम्मेदारी के साथ अपना दायित्व निभाना चाहिए।

यह निर्देश दिए: एक पेड़ मां के नाम अभियान हेतु प्रत्येक गांव में समुचित स्थान उपलब्ध कराकर वृक्षारोपण कराया जाए तथा उन पेड़ों की देखरेख हेतु भी समुचित व्यवस्था कराने के निर्देश दिए। गांवों में स्वच्छता अभियान चलाए जाएं, व्यक्तिगत एवं सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण कराए जाएं, मुक्तिधाम, सार्वजनिक स्थलों आदि का व्यवस्थित प्रबंध किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में चालाए जा रहे सरकार के महत्वाकांक्षी अभियान %राजस्व महाअभियान% अंतर्गत भी गांव-गांव जनजागरण किया जाए। नागरिकजनों को अभियान अंतर्गत होने वाले बटवारा, नामांकन, पोथी नामांतरण आदि कार्यों से अवगत कराते हुए अभियान का जन-जन तक प्रचार-प्रसार किया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की मंशा अनुरूप जमीनों के आधार से लिंक करने का कार्य निरंतर जारी है।

नशामुक्त पंचायत बनाने के लिए ग्राम स्तर पर नशामुक्त अभियानों को और तेजी से चलाया जाए। ग्राम स्तर पर सार्वजनिक रूप से एक धार्मिक स्थल की जिम्मेदारी लें, उसकी देखभाल, स्वच्छता, धार्मिक आयोजन आदि कराए जाएं। गांव के अधिक से अधिक सार्वजनिक कार्यक्रम वहीं संपन्न कराए जाएं।सभी पंचायतों में 40म100 क्षेत्रफल के सार्वजनिक शेड निर्माण हेतु मुख्यमंत्री जी की निधि से 14 लाख स्वीकृत हुए हैं। मनरेगा से 14 लाख भी जल्द स्वीकृत होंगे। इनके निर्माण कराने संबंधी निर्देश दिए।

तिरंगा प्रत्येक भारतीय का स्वाभिमान: ढालिया

भोपाल। तिरंगा अंगीकार दिवस पर एक कार्यक्रम में उपस्थित जनों को जानकारी देते हुए सामाजिक कार्यकर्ता भगवान दास ढालिया ने राष्ट्रध्वज तिरंगे का इतिहास बताते हुए कहा कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा की बैठक में तिरंगे को राष्ट्रीय धवज के रूप में अपनाया गया था आगे ढालिया ने बताया अनेकों वीर बलिदानियों ने राष्ट्रध्वज के लिए अपने प्राण हंसते हंसते न्योछावर किए है साथ ही किसी भी खेल प्रतियोगिता में भारत सफलता हासिल करे या हमारे बहादुर सैनिक दुश्मनों को खदेड़ कर पहाड़ों की चोटियों पर कब्जा करें, वहां लहराता तिरंगा हर देशवासियों के शरीर में जोश भर देता है। ऐसे मौके पर शहर के युवा खुशी जाहिर करने के लिए तिरंगा हाथ मे लेकर सड़कों पर निकल आते हैं। राष्ट्रीय ध्वज केवल किसी देश का प्रतीक झंडा नहीं होता। बल्कि, वह उस देश के लोगों के मान सम्मान और स्वाभिमान का प्रतीक होता। यह हम लोगों के लिए बेहद गौरव की बात है कि आजादी के सालों बाद हमारी नई पीढ़ी भी तिरंगा को पुरा मान सम्मान देती है।

पेटीएम ने क्यू1 एफवाय 2025 में 1,502 करोड़ का ऑपरेटिंग रेवेन्यू हासिल किया

नई दिल्ली , एजेंसी। पेटीएम ने वित्तीय वर्ष 2025 (क्यू1 एफवाय2025) की पहली तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की है, जिसमें कई महत्वपूर्ण मापदंडों में सुधार देखने को मिला है। कंपनी ने 1,502 करोड़ का ऑपरेटिंग रेवेन्यू दर्ज किया है, जिसमें इबीआइटीडीए घाटा 792 करोड़ का है। कंपनी के लिए हाल के व्यवधानों का पूरा वित्तीय असर क्यू1 एफवाय2025 में देखा जा सकता है। कंपनी ने यह भी कहा कि व्यापारी भुगतान मेट्रिक्स जैसे जीएमवी, तेज़ी से व्यापारी पुन- सक्रियता और बढ़ते व्यापारी आधार के साथ-साथ लागत को कम करने के निरंतर प्रयासों से राजस्व और मुनाफे में सुधार होगा। वित्तीय सेवाओं से राजस्व 280 करोड़ रहा, जबकि मार्केटिंग सेवाओं से राजस्व 321 करोड़ रहा। तिमाही के दौरान, योगदान लाभ 755 करोड़ रहा, जिसमें 50 प्रतिशत मार्जिन था। पेटीएम के प्रवक्ता ने कहा, हम अपने व्यापारी ऑपरेटिंग मेट्रिक्स में सुधार और उपभोक्ता आधार में स्थिरता देख रहे हैं, जो हमारी सुधार की दिशा को दर्शाता है। यह हमारे प्लेटफ़ॉर्म पर हमारे व्यापारी पार्टनर्स और उपभोक्ताओं के लगातार विश्वास को भी दिखाता है, और हम अपने हितधारकों के विश्वास के लिए आभारी हैं। क्त1 में हाल के व्यवधानों का पूरा असर दिखने के साथ, हमें भविष्य में निरंतर विकास के मार्ग पर विश्वास है। पेटीएम अपने ग्राहकों को उनकी जरूरतों के अनुसार लोन, वेल्थ प्रोडक्ट्स और इंश्योरेंस जैसी श्रेणियों में विशेष सेवाएं प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

तन शुद्ध करना है तो सबसे पहले मन को शुद्ध करना होगा:धरती बेन ठक्कर

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 12 जुलाई से 21 जुलाई तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया था। जिसका भव्य अनुभव समारोह अहमदाबाद से पधारी धरती बेन ठक्कर की उपस्थिति में आयोजित किया गया। धरती बेन ठक्कर द्वारा समस्त साधकों को अपक्काहार द्वारा स्वास्थ्य लाभ और उपवास के विषय में जानकारी दी। आरोग्य केन्द्र एक मंदिर हैं और यहाँ के कण कण में परमात्मा का वास है। आज कल सब दवा व दर्द रहित जीवन जीना चाहते हैं। प्राकृतिक चिकित्सा उत्तम में उत्तम हैं क्योंकि इसमें रोगों का निवारण जड़ से होता हैं। उन्होंने एनीमा के बारे में बताया कि स्वस्थ रहना है तो एनीमा को अपने जीवन में नियमित अपनाए। तन शुद्ध करना है तो सबसे पहले मन की शुद्धी करनी होगी। यहाँ से जो ज्ञान पाकर जा रहें हैं वो दूसरो को बांटना हैं कि वो भी यहाँ आकर निरोगी जीवन कैसे जीना हैं वो सीख सकें। आप यहाँ से सीखकर जाते हैं कि अपने परिवार को स्वस्थ रखना कितना आसान हैं, केवल किचन व खान-पान में बदलाव करके दवाईयों से मुक्त हो सकते हैं। आहार से ही हमारे जीवन में व्यवहार बनता हैं, यदि आप प्राकृतिक आहार लेते हैं तो आपके घर में कोई व्यक्ति बीमार नहीं हो सकता हैं।

एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लि.ने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स के साथ फेसिलिटी समझौता किया

मुंबई । एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई- 543929, एनएसई- एचएमए एग्रो), प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पादों में अग्रणी, ने घोषणा की है कि बफेलो मीट के लिए उसने एएलएम फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (एएलएम फूड), पंजाब और एएलएम इंडस्ट्रीज लिमिटेड (एएलएम), सहारनपुर के साथ प्रसंस्करण, फ्रीजिंग और पैकेजिंग की सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए सुविधा (फेसिलिटी) समझौते किए हैं। इससे पहले, कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त तिमाही और के लिए अपनी आय की घोषणा की थी। 31 मार्च को समाप्त वर्ष के लिए, कंपनी ने अपने कुल राजस्व में 49त्न की वृद्धि दर्ज की, जो रु. 32,560.91 मिलियन (वित्त वर्ष 23) से बढ़कर रु. 48,618.72 मिलियन (वित्त वर्ष 24) हो गई। प्रभावशाली राजस्व वृद्धि के बावजूद, कंपनी के लाभ मार्जिन में गिरावट आई। यह गिरावट कच्चे माल की घरेलू कीमतों में वृद्धि और लाल सागर संकट के प्रभाव के कारण हुई है। हालांकि, प्रबंधन भविष्य के प्रति आशावादी है और अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में स्थिरता आने पर लाभ मार्जिन में सुधार की उम्मीद कर रहा है। एचएमए एग्रो इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक खाद्य व्यापार संगठन के रूप में कार्य करती है। कंपनी जमे हुए ताजा भैंस के मांस, तैयार और जमे हुए प्राकृतिक उत्पाद, फल, सब्जियां और अनाज सहित प्रसंस्कृत खाद्य और कृषि उत्पाद प्रदान करती है।

उप-मुख्यमंत्री शुक्ल ने भगवान शिव का पूजन किया

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने पवित्र श्रावण मास के प्रथम सोमवार पर रीवा शहर के मध्य स्थित प्रसिद्ध महामृत्युंजयनाथ स्वामी मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर पूजा आरती की। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की मंगल कामना की।

मिशन मोड में लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें: उप-मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने सर्किट हाउस रीवा में ज़िले में राजस्व महाअभियान की समीक्षा की। उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि महाअभियान के दौरान लंबित राजस्व प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण कराएं। नक्शा तरमीम तथा अभिलेखों में सुधार के प्रकरणों के लंबित रहने से अनावश्यक रूप से विवाद बढ़ते हैं। जिले में नक्शा तरमीम के प्रकरणों को मिशन मोड में निराकृत कराएं। शासकीय प्रयोजन जैसे सड़क, पुल, नहर, भवन आदि के निर्माण के लिए जिले भर में किसानों से भू अर्जन किया गया है। भू-अर्जन की गई सभी जमीनों के खसरे में संबंधित विभाग का नाम दर्ज कराने का अभियान चलाएं।बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने राजस्व महाअभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जिले में नक्शा तरमीम के नौ लाख से अधिक प्रकरण लंबित हैं। अभियान में इनका निराकरण किया जा रहा है। शासकीय विभागों को आवंटित जमीनों के खसरे में उनके नाम दर्ज करने का भी अभियान चलाया जा रहा है। बैठक में रीवा शहर के नजूल नक्शे सीएलआर कार्यालय ग्वालियर से प्राप्त करने, आरसीएमएस पोर्टल से राजस्व प्रकरणों के निराकरण की निगरानी तथा सीमांकन के संबंध में सुझाव दिए गए। नगर निगम रीवा के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने 84 दिव्यांग विद्यार्थियों को प्रदान किए नि:शुल्क लैपटॉप

भोपाल। उप-मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय मूकबधिर विद्यालय में आयोजित समारोह में 84 दिव्यांग विद्यार्थियों को निःशुल्क लैपटॉप प्रदान किए। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दिव्यांग विद्यार्थी प्रतिभा में किसी से कम नहीं हैं। हमारी सरकार दिव्यांग विद्यार्थियों को शिक्षा का बेहतर अवसर देने के लिए संकल्पबद्ध है। अच्छी शिक्षा प्राप्त कर दिव्यांग जीवन के हर क्षेत्र में सफलता और ऊंचा मुकाम हासिल कर सकेंगे। रीवा से ही स्वर्गीय यमुना प्रसाद शास्त्री नेत्रों से दिव्यांग होने के बावजूद सबसे प्रखर सांसद थे। वर्तमान में नर्मदापुरम में कमिश्नर श्री कृष्णगोपाल तिवारी भी नेत्रों से दिव्यांग हैं। आप सब भी इन्हीं की तरह सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगता अब किसी तरह की बाधा नहीं रह गई है। आधुनिक तकनीक का उपयोग करके दिव्यांग शिक्षा में अच्छी सफलता प्राप्त करे इसीलिए आप सबको लैपटाप प्रदान किए जा रहे हैं। अपनी प्रतिभा को आगे बढ़ने का अवसर और प्रोत्साहन देने के लिए आज लैपटाप दिए जा रहे हैं। मूक बधिर विद्यालय रीवा के 44, नेत्रहीन विद्यालय के 12, आईटीआई रीवा के 26, ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय के एक तथा उमावि अमिलिया के एक दिव्यांग विद्यार्थी को मुख्यमंत्री निश्शक्तजन शिक्षा प्रोत्साहन योजना के तहत 29 लाख 39 हजार रुपए की लागत के 84 लैपटॉप का वितरण किया गया। उप-मुख्यमंत्री ने विद्यालय परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत फलदार पौधे रोपित किए। नगर निगम के अध्यक्ष श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सुदिशा फाउण्डेशन संस्था के प्रतिनिधि एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मैट्रो हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का किया शुभारंभ

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा के शारदापुरम में नवनिर्मित मैट्रो हास्पिटल एवं रिसर्च सेंटर का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि रीवा में स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में तेजी से वृद्धि हो रही है। आने वाले दिनों में रीवा मेडिकल का हब बन जाएगा और लोगों को गंभीर रोग के इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। अध्यक्ष नगर निगम श्री व्यंकटेश पाण्डेय सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि अस्पताल के प्रतिनिधि उपस्थित थे। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने हिनौती ग्राम में गौवंश वन्य विहार के विभिन्न कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

अधिकारी गुणवत्ता और दक्षता के साथ कार्य करें: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- हमीदिया में मरीजों को 1850 बेड की मिल रही है सुविधा
- अस्पताल में सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए 199 करोड़ रुपए के प्रस्ताव
- अस्पताल में शुरू किया जायेगा बोन-मैरो सेंटर
- मुख्यमंत्री ने हमीदिया अस्पताल का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार विकास के साथ नागरिकों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये प्रतिबद्ध है। इसलिए समय-समय पर चिकित्सालयों का निरीक्षण किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली धनराशि का समुचित उपयोग हो। सभी अधिकारी गुणवत्ता और दक्षता के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार शाम को हमीदिया अस्पताल का निरीक्षण करने के बाद जानकारी दे रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हमीदिया अस्पताल में शिशु वार्ड तथा अन्य कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने मरीजों और मरीजों के परिजन से बातचीत की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को वरिष्ठ चिकित्सकों द्वारा अस्पताल में किये जा रहे विस्तार कार्यों और नए प्रस्तावों की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षाकाल चल रहा है, इसलिए अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ना संभव है। मरीजों को कोई कठिनाई नहीं हो इसको ध्यान से रखते हुए यहां विस्तार के कार्य चल रहे हैं। हमीदिया अस्पताल प्रदेश का सबसे बड़ा अस्पताल है। इस अस्पताल की क्षमता 2250 बेड की है। अभी 1850 बेड की सुविधाा उपलब्ध कराई जा रही है। आशा है कि नए निर्माण कार्यों के पूरा होने से मरीजों की कठिनाईयां दूर हो जाएंगी। उन्होंने बताया कि अस्पताल में मरीजों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 199 करोड़ रुपए के नए प्रस्ताव आए हैं। उनमें 35 करोड़ रुपए के रीजनल इन्स्टिट्यूट ऑफ रेस्पिरेटरी, 42 करोड़ रुपए के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ऑर्थोपेडिक्स, 30 करोड़ रुपए का कैंसर उपचार के लिए नई मशीनें खरीदने के प्रस्ताव शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अस्पताल में बोन मैरो सेंटर जल्द ही शुरू किया जाएगा। इसके अतिरिक्त 20 करोड़ रुपए का पीजी छात्रों के लिए नया छात्रावास ब्लॉक बनाया जाएगा। अस्पताल को 20 करोड़ रुपए की एमआरआई/सीटी मशीन जल्द ही दी जाएगी। 35 करोड़ रुपए का नया एकीकृत ओपीडी ब्लाक और 17 करोड़ रुपए का नया यूजी छात्रावास बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकारी अस्पतालों में जनता को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने के समुचित प्रयास एवं प्रबंध किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि मैं सभी विभागों विशेषकर अस्पतालों में जहां जनता बड़ी संख्या में आती है वहां निरीक्षण अधिक करता हूँ, जिससे मरीजों को कोई कठिनाई न हो।

कार्य में लापरवाही पर प्रबंधक निलंबित

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा संचारण संधारण भोपाल संभाग अंतर्गत गत दिवस रात्रि में विद्युत आपूर्ति सेवाओं में आपात स्थिति में व्यवधान उत्पन्न होने के दौरान अनुपस्थित रहने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण खजूरी सड़क वितरण केन्द्र में पदस्थ प्रबंधक श्री गौरव अटूट को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के खजूरी सड़क वितरण केन्द्र में पदस्थ प्रबंधक श्री गौरव अटूट को गत दिवस रात्रि में विद्युत आपूर्ति सेवाओं में आपात स्थिति में व्यवधान उत्पन्न होने के दौरान अनुपस्थित होने एवं कार्य में लापरवाही बरतने के कारण प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अविध में श्री अटूट का मुख्यालय संभागीय कार्यालय भोपाल नियत किया गया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल ने सचेत किया है कि कार्य में पारदर्शिता, लगन, निष्ठा और उपभोक्ता सेवाओं को लेकर किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बाबा महाकाल की सवारी में पहली बार जनजातीय कलाकारों की प्रस्तुति

भोपाल। उज्जैन में बाबा महाकाल की सावन महीने की पहली सवारी सोमवार को निकाली गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सवारी में पहली बार जनजातीय कलाकारों का दल प्रस्तुति दे रहा है। अब तक सवारी में केवल परंपरागत भजन मंडल दल ही शामिल होते थे। बाबा महाकाल की सवारी में धार-झाबुआ के भील जनजातीय दल के सदस्यों ने उत्साह से सहभागिता करते हुए भगोरिया नृत्य की प्रस्तुति दी। जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद के माध्यम से भागीदारी कर रहे हैं।प्रति सोमवार अलग अलग जिलों से जनजातीय कलाकार उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल सवारी में हिस्सा लेंगे।

अमानक चावल की अनलोडिंग पर परिवहनकर्ता से 18.71 लाख वसूली के निर्देश

खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देश पर हुई कार्रवाई

भोपाल । प्रदेश के खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत के निर्देश पर शिवपुरी जिले में अमानक चावल की अनलोडिंग करने पर वर्षा से प्रभावित 913 बोरे चावल की लागत 18 लाख 71 हजार रूपये की वसूली संबंधित परिवहनकर्ता से करने के निर्देश दिये गये हैं।

नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक पी.एन. यादव ने जानकरी दी है कि शिवपुरी जिले के गोदामों में पाये गये 4 स्टेक बीआरएल चावल एवं सतना जिले में 6 स्टेक बीआरएल चावल बदलकर मानक चावल जमा करने हेतु सतना जिले के 5 मिलर्स मेगनेश राईस मिल, सक्षम राईस मिल, शिवशक्ति राईस मिल, लाल कन्हैया राईस मिल एवं कृष्णा राईस मिल को नोटिस जारी किये गये हैं। शिवपुरी एवं सतना जिले में जमा चावल के बोरों में टैग / स्टेंसिल लगे न होने, पुराने बारदानो में डेमेज, डिस्कलर एवं अधिक ब्रोकन वाले जमा चावल में संबंधित 12 मिलर्स मेगनेश राईस मिल, अनाज भंडार राईस मिल, कमलादेवी राईस मिल, हाईटेक राईस मिल, नमन राईस मिल, एम.के.वी. राईस मिल, सक्षम राईस मिल, लाल कन्हैया राईस मिल, शिवशिक्त राईस मिल, जय कामतानाथ राईस मिल, कुबेर फूड राईस मिल एवं ओशियन राईस मिल को नोटिस जारी किया गया है। बीआरएल चावल जमा कराये जाने के संबंध में सर्वेयर एजेंसी मेसर्स ब्यूरो बेरीटास प्रायवेट लिमिटेड मुंबई को भी नोटिस जारी किया गया है।

सतना जिला प्रबंधक सहित 2 केंद्र प्रभारी को कारण बताओ नोटिस: सतना जिले के जिला प्रबंधक पंकज बोरसे एवं कॉर्पोरेशन के 2 केंद्र प्रभारी सुनिल गर्ग एवं जी.एल. गुप्ता को कारण बताओं सूचना पत्र जारी किया गया है। म.प्र. वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन के संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाही करने एवं भविष्य में चावल भंडारण के लिये उपयुक्त गोदामों में ही चावल जमा कराये जाने हेतु प्रबंध संचालक, म.प्र. वेयर हाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स कॉर्पोरेशन को पत्र लिखा गया है।

आबकारी विभाग ने एमपी नगर के बार पर की कार्रवाई, अनियमितता मिलने पर सील किया

भोपाल। मध्यप्रदेश आबकारी आयुक्त के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत, कलेक्टर भोपाल कौशलेन्द्र विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में सहायक आबकारी आयुक्त भोपाल दीपम रायचूरा के नेतृत्व में बड़ी कार्रवाई की गई। एम. पी. नगर, जोन 2 स्थित सिप एंड डिप बार में अवैध मदिरा की बिक्री की जानकारी मिलने पर आबकारी विभाग ने त्वरित कार्रवाई की।

बार में बगैर परमिट की मदिरा बरामद: आबकारी कंट्रोलर आर.जी. के नेतृत्व में वृत उपनिरीक्षक और जिला आबकारी बल की टीम ने बार की जांच की, जहां बड़ी मात्रा में बगैर परमिट की मदिरा पाई गई। जब्त की गई मदिरा को सबूत के तौर पर कब्जे में लिया गया और बार को तत्काल सील कर दिया गया। मामले की जांच जारी है।

अवैध बिक्री की सूचना पर त्वरित कार्रवाई: उक्त बार संचालक द्वारा बिना परमिट के अवैध मदिरा की बिक्री की जा रही थी, जिसकी सूचना मिलने पर सहायक आबकारी आयुक्त ने तुरंत टीम गठित कर कार्यवाही की। इसके साथ ही, अन्ना नगर क्षेत्र में भी संदिग्ध स्थलों और मदिरा दुकानों की जांच की गई।

निरंतर निगरानी की जाएगी: सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचूरा ने बताया कि जिले के सभी बारों के स्टॉक की निरंतर जांच की जाएगी और अवैध मदिरा के खिलाफ विशेष निगरानी रखी जाएगी। इस अभियान में जिले के सहायक आबकारी अधिकारी, आबकारी उपनिरीक्षक, मुख्य आरक्षक, आरक्षक और होमगार्ड जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

1 हज़ार 303 एकड़ क्षेत्र में विकसित गौवंश वन्य विहार को गौधाम के नाम से जाना जाएगा: उप मुख्यमंत्री

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा जिले के मनगवां विधानसभा क्षेत्र अन्तर्गत हिनौती ग्राम में 1 हज़ार 303 एकड़ क्षेत्र में विकसित किए जा रहे गौवंश वन्य विहार में विभिन्न कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि यह गौवंश वन्य विहार गौधाम के नाम से जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि आज का दिन अत्यंत शुभ है। श्रावण मास के प्रथम दिवस में भगवान शिव के आशीर्वाद से गौवंश के संरक्षण के पुनीत कार्य में हम सभी भागीदार बन रहे हैं। गौ माता पवित्रता की प्रतिमूर्ति हैं। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि ईमानदारी से किया गया कार्य हमेशा सफल होता है। उन्होंने अपील की गौवंश संरक्षण हेतु आयोजित यज्ञ में सभी अपनी भागीदारी निभाएं।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने 65.64 लाख रुपए से निर्मित दो गौ शेड का लोकार्पण करने के उपरांत गौ पूजन किया तथा गाय को चना एवं गुड़ खिलाया। उप मुख्यमंत्री ने 71.50 लाख रुपए के कार्यों का भूमिपूजन किया। जिनमें 30.42 लाख रुपए की लागत से दो नग गौ शेड, 21.92 लाख रुपए की लागत से चारागाह क्षेत्र की तार फेंसिंग, 15.16 लाख रुपए की लागत से दो हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह विकास तथा चार लाख रुपए लागत के सामुदायिक स्वच्छता परिसर का कार्य शामिल है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल की मंशा के अनुरूप हिनौती गौवंश वन्य विहार में 6 नग गौशाला शेड, एक प्रशासनिक भवन, पशु चिकित्सालय, यज्ञ शाला निर्माण तथा उन्नत पशु नस्ल सुधार प्रजनन केन्द्र के अतिरिक्त एकीकृत कृषि व आजीविका संस्थान तथा मियावाकी वृक्षारोपण एवं पोषण वाटिका विकास के कार्य आगामी दिनों में कराए जाएंगे। उप-मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बसामन मामा गौवंश वन्य विहार के बाद हिनौती का गौवंश वन्य विहार गौ संरक्षण के लिए प्रदेश का सबसे प्रसिद्ध केन्द्र होगा और लोग इसको देखने आएंगे। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि इस गौवंश वन्य विहार में 20 से 25 हजार गौवंशों को संरक्षण मिलेगा तथा आसपास के गांवों के गौ-सेवकों को रोजगार भी उपलब्ध होगा। श्री शुक्ल ने विधायक निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की तथा निर्देश दिए कि सभी कार्य तत्काल प्रारंभ करा दिए जाएं। उन्होंने कहा कि कार्यों के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होगी। आने वाले समय में यह आत्मनिर्भर व अन्य गौशालाओं के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने वाला गौवंश वन्य विहार बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने भी गौवंश के पोषण आहार के लिए प्रति गाय प्रति दिवस की राशि को 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गौवंश वन्य विहार परिसर में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत पोषण वाटिका में पौधरोपण किया। उन्होंने वन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पूरे क्षेत्र को हरा-भरा बनाने के लिए सघन वृक्षारोपण कर इसको संरक्षित करने की व्यवस्था सुनिश्चित कराएं।कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि हिनौती गौवंश वन्य विहार में प्रथम चरण में लगभग 12 शेड बनाए जाएंगे साथ ही गौवंश की सुविधा के लिए चारागाह, पशु औषधालय, भूसा शेड तथा अंदर की सड़कों का भी निर्माण होगा।

विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र में मप्र ने विविध सांस्कृतिक विरासत को किया प्रदर्शित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

नई दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हुए यूनेस्को विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र में मध्यप्रदेश पर्यटन ने अपनी विविध और अनूठी सांस्कृतिक व प्राकृतिक विरासत को प्रदर्शित किया। इस बैठक में 195 देशों से 2000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने अपने एग्जीबिशन में राज्य की सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर को प्रस्तुत किया। 11 दिनों तक चलने वाले सत्र में, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में नए स्थलों के नामांकन, मौजूदा विश्व धरोहर संपत्तियों की संरक्षण रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय सहायता और विश्व धरोहर निधि के उपयोग आदि पर चर्चा की जाएगी।

प्रमुख अतिथियों का दौरा: एग्जीबिशन में केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग श्री धर्मेंद्र सिंह लोधी ने भ्रमण किया। प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति विभाग और प्रबंध संचालक, टूरिज्म बोर्ड श्री शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि यह समिति विश्व धरोहर से संबंधित सभी मामलों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार है। पहली बार भारत में हो रही इस बैठक में मध्यप्रदेश ने अपनी पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया है। इस मंच पर सांस्कृतिक, प्राकृतिक और विरासत के संरक्षण पर चर्चा होगी और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा।

म.प्र. का विशेष सत्र 24 को: मध्यप्रदेश द्वारा नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स के साथ मिलकर 24 जुलाई को शहरी विरासत और ॥रुकी सिफारिशों पर केंद्रित एक विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि ऐतिहासिक शहरी परिदृश्य की पायलट परियोजना के तहत ओरछा और ग्वालियर को चुना गया है। प्रदेश सरकार इन दोनों शहरों के लिए प्रबंधन योजनाओं पर सक्रिय रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है। इस सत्र के माध्यम से, मध्यप्रदेश को ॥रु की अनुशंसा अनुसार शहरी विरासत के प्रबंधन में चुनौतियों और सफलताओं पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

प्रदेश की यूनेस्को धरोहरें: मध्यप्रदेश में खजुराहो के मंदिर समूह, भीमबेटका की गुफाएं और सांची स्तूप यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हैं। संभावित सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खुनी भंडारा, चंबल घाटी के शैल कला स्थल, भोजपुर का भोजेश्वर महादेव मंदिर, मंडला स्थित रामनगर के गोंड स्मारक, धमनार का ऐतिहासिक समूह, मांडू के स्मारक, ओरछा का ऐतिहासिक समूह, नर्मदा घाटी में भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी भारत के प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई समूह शामिल हैं।

महानगरों में बढ़ता जानलेवा प्रदूषण गंभीर चुनौती

चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी चर्चित अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका लासेंट के हाल के अध्ययन में वायु प्रदूषण की बढ़ती विनाशकारी स्थितियों के आंकड़े न केवल चौंकाने वाले है बल्कि अत्यंत चिन्ताजनक है। भारत के दस बड़े शहरों में हर दिन होने वाली मौतों में सात फीसदी से अधिक का मुख्य कारण हवा में व्याप्त प्रदूषण है। वहीं दुनिया में सबसे प्रदूषित राजधानी दिल्ली में यह आंकड़ा साढ़े ग्यारह प्रतिशत है। भारत के महानगरों में वायु प्रदूषण के रूप में पसर रही मौत के लिये सरकार एवं उनसे संबंधित एजेंसियों की लापरवाही एवं कोताही शर्मनाक है, क्योंकि सरकार द्वारा 131 शहरों को आवंटित धनराशि का महज 60 फीसदी ही खर्च किया जाता है। गंभीर से गंभीरतर होती वायु प्रदूषण की स्थितियों के बावजूद समस्या के समाधान में कोताही चिन्ता में डाल रही है एवं आम जनजीवन के स्वास्थ्य को चौपट कर रही है। महानगरों में प्रदूषण का ऐसा विकराल जाल है जिसमें मनुष्य सहित सारे जीव-जंतु फंसकर छटपटा रहे हैं, जीवन सांसें पर छाये संकट से जूझ रहे हैं।

केंद्र सरकार ने वायु प्रदूषण एवं हवा में घुलते जहरीले तत्वों की चुनौती के मुकाबले के लिये राष्ट्रीय वायु स्वच्छता कार्यक्रम के क्रियान्वयन की घोषणा 2019 में की थी। जिसका मकसद था कि खराब हवा के कारण नागरिकों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव को कम किया जा सके। सरकार की कोशिश थी कि देश के चुनिंदा एक सौ तीस शहरों में वर्ष 2017 के मुकाबले वर्ष 2024 तक घातक धूल कणों की उपस्थिति को बीस से तीस फीसदी कम किया जा सके। लेकिन विडम्बना है कि तय लक्ष्य हासिल नहीं हो सके। महानगरों-नगरों को रहने लायक बनाने की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं है, बल्कि हम सबकी है। हालांकि लोगों को सिर्फ एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका निभानी है, एंटीडस्ट अभियान को निरन्तर जीवन का हिस्सा बनाना होगा। लोगों को खुद भी पूरी सतर्कता बरतनी होगी। लोगों को खुली जगह में कूड़ा नहीं फेंकना चाहिए और न ही उसे जलाया जाए। वाहनों का प्रदूषण लेवल चैक करना चाहिए। कोशिश करें कि हम निजी वाहनों का इस्तेमाल कम से कम करें और सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें। आम जनता की जिंदगी से खिलवाड़ करने वाली पटाखे जलाने की भौतिकतावादी मानसिकता को विराम देना जरूरी है। प्रदूषण मुक्त पर्यावरण की वैश्विक अभिधारणा को मूर्त रूप देने के लिये इको फ्रेंडली दीपावली मनाने की दिशा में गत दो-तीन साल में कई पायदान हम ऊपर चढ़े हैं, एक सकारात्मक वातावरण बना। लेकिन पटाखों से ज्यादा खतरनाक है पराली का प्रदूषण। पराली आज एक राजनीतिक प्रदूषण बन चुका है। दिल्ली एवं पंजाब में एक ही दल की सरकारें है, दूसरों पर आरोप लगाने की बजाय क्यों नहीं आम आदमी पार्टी की सरकार समाधान देती।

प्रदूषण से ठीक उसी प्रकार लड़ना होगा जैसे एक नन्हा-सा दीपक गहन अंधेरे से लड़ता है। छोटी औकात, पर अंधेरे को पास नहीं आने देता। क्षण-क्षण अग्नि-परीक्षा देता है। पर हां! अग्नि परीक्षा से कोई अपने शरीर पर फूस लपेट कर नहीं निकल सकता। इसके लिये शहरों में वृक्षारोपण करके हरियाली का दायरा बढ़ाना, कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन, इलेक्ट्रानिक वाहनों को प्रोत्साहन तथा इन वाहनों के लिये चार्जिंग स्टेशन बनाने जैसे प्रयास करने के सुझावों का क्रियान्वित करने की अपेक्षा है, इसके लिये जो कार्यक्रम प्रदूषण से ग्रस्त चुनिंदा शहरों में चलाया जाना था, लेकिन स्थानीय प्रशासन की तरफ से इस दिशा में कोई गंभीर प्रयास नहीं किया गया। जिससे समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है। इसी कारण देश के अधिकांश शहर गंभीर वायु प्रदूषण की चपेट में हैं। लेकिन स्थानीय निकायों व प्रशासन ने संकट की गंभीरता को नहीं समझा। इस दिशा में अपेक्षित सक्रियता नजर नहीं आई। प्रश्न है कि पिछले कुछ सालों से लगातार इस महासंकट से जूझ रहे महानगरों को कोई समाधान की रोशनी क्यों नहीं मिलती? सरकारें एवं राजनेता एक दूसरे पर जिम्मेदारी ठहराने की बजाय समाधान के लिये तत्पर क्यों नहीं होते? प्रशासन अपनी जिम्मेदारी क्यों नहीं निभा पा रहा है?

राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण बढ़ते प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये सक्रिय है, केंद्रीय पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने भी प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये करीब दस हजार करोड़ रुपये की राशि आवंटित की थी। लेकिन विडम्बना है कि पर्याप्त फण्ड होने के बावजूद सिर्फ साठ फीसदी राशि ही इस मकसद के लिये खर्च की गई। वहीं सत्ताईस शहरों ने बजट का तीस फीसदी ही खर्च किया। कुछ शहरों ने तो इस मकसद के लिये आवंटित धन का बिल्कुल उपयोग नहीं किया। कैसे समस्या से मुक्ति मिलेगी? जीवाश्म ईंधन के उपयोग, सड़कों पर निरंतर बढ़ते पेट्रोल-डीजल वाहन, सार्वजनिक यातायात की बदहाली व कचरे का ठीक से निस्तारण न होने से वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लक्ष्य हासिल करना जटिल होता जा रहा है। अब समस्या की विकरालता को देखते हुए केंद्र सरकार इस दिशा में नये सिरे से गंभीरता से पहल कर रही है, जिससे प्रदूषित शहरों को दी जाने वाली राशि का यथा समय अधिकतम उपयोग हो सके। पराली की समस्या का हल करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 1347 करोड़ रुपये और उपकरण दिए गए।

वायु प्रदूषण एक जाना-पहचाना पर्यावरणीय स्वास्थ्य खतरा है। हम जानते हैं कि हम क्या देख रहे हैं जब भूरे रंग की धुंध शहर के ऊपर छा जाती है, व्यस्त राजमार्ग पर धुआँ निकलता है या धुएँ के ढेर से धुआँ निकलता है। वायु प्रदूषण मानव निर्मित और प्राकृतिक दोनों स्रोतों से उत्पन्न खतरनाक पदार्थों का मिश्रण है। वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन, घरों को वातानुकूलित करने के लिए ईंधन तेल और प्राकृतिक गैस, एसी का उपयोग, विनिर्माण और बिजली उत्पादन के उप-उत्पाद, विशेष रूप से कोयला-ईंधन वाले बिजली संयंत्र, और रसायनिक उत्पादन से निकलने वाले धुएं मानव निर्मित वायु प्रदूषण के प्राथमिक स्रोत हैं। बढ़ता प्रदूषण वैश्विक स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए एक बड़ा खतरा है। वायु प्रदूषण सभी रूपों में, हर साल दुनिया भर में 6.5 मिलियन से अधिक मौतों के लिए जिम्मेदार है यह संख्या पिछले दो दशकों में बढ़ी है। भारत के महानगरों में यह अधिक विकराल होती जा रही है। उच्च वायु प्रदूषण से संबंधित सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंताओं में कैंसर, हृदय रोग, श्वसन रोग, मधुमेह, मोटापा, तथा प्रजनन, तंत्रिका संबंधी और प्रतिरक्षा प्रणाली संबंधी विकार शामिल हैं।

बांग्लादेश के साथ भारत की चुनौतियां

बदलती वैश्विक स्थितियों को भांपते हुए बांग्लादेश चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी को लगातार मजबूत कर रहा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत से संबंधों को नियंत्रित करके चीन की ओर देख रही हैं, इसके पीछे उनका 'विजन 2041' है।

ब्रह्मदीप अलूने

बांग्लादेश अगले वर्ष चीन के साथ कूटनीतिक संबंधों की स्वर्ण जयंती मनाने जा रहा है। शेख हसीना सरकार ने इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी है। यह भी दिलचस्प है कि 1971 में बांग्लादेश की एक स्वतंत्र देश के रूप में संयुक्त राष्ट्र की मान्यता को रोकने के लिए चीन ने सुरक्षा परिषद में वीटो का प्रयोग किया था। मगर बदलती वैश्विक स्थितियों को भांपते हुए बांग्लादेश चीन के साथ रणनीतिक साझेदारी को लगातार मजबूत कर रहा है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत से संबंधों को नियंत्रित करके चीन की ओर देख रही हैं, इसके पीछे उनका 'विजन 2041' है।

बांग्लादेश भारत की 'एक्ट ईस्ट पालिसी' का अभिन्न अंग और बड़ा व्यापारिक साझीदार है। भारतीय प्रधानमंत्री और शेख हसीना ने 9 मार्च, 2021 को पूर्वोत्तर को बांग्लादेश से जोड़ने वाले मैत्री सेतु का उद्घाटन किया था। इस सेतु को उस सिलीगुड़ी गलियारे का विकल्प माना गया, जो भारत की अखंडता की रक्षा के लिए बेहद खास माना जाता है। चीन और बांग्लादेश के बीच ऐसे कई मैत्री सेतु पहले से प्रभाव में हैं। चीन ने बांग्लादेश में एक मैत्री पुल का इस प्रकार निर्माण किया है, जिसमें स्थानीय संस्कृति को ध्यान में रखते हुए इस्लामी और चीनी विशेषताओं से सुसज्जित किया है। बांग्लादेश में चीन का निवेश बढ़कर लगभग डेढ़ अरब अमेरिकी डालर हो गया है। लगभग सात सौ चीनी कंपनियां बांग्लादेश में काम कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर लाखों लोगों को रोजगार मिला है। बांग्लादेश चीन की 'वन बेल्ट वन परियोजना' का प्रमुख साझीदार बन गया है और इसे 'विजन 2041' और 'स्मार्ट बांग्लादेश' के सपने के साकार होने का बड़ा कारण बताया जा रहा है।

बांग्लादेश से व्यापारिक संबंध मजबूत बनाने के लिए चीन ने वहां के बुनियादी ढांचे में बड़े निवेश के साथ उर्जा संसाधनों की आपूर्ति में मदद का प्रस्ताव दिया है। इसके साथ ही वह दोनों देशों की मुद्राओं के आसान आदान-प्रदान के लिए भी पहल कर रहा है। यह उसकी युआन कूटनीति का परिचायक है। शेख हसीना के 'विजन 2041' की शुरुआत करीब डेढ़ दशक पहले हुई, चीन इसमें प्रमुख भागीदार बनाया गया और इसके विभिन्न चरण निर्धारित किए गए। 2009 में, प्रधानमंत्री शेख हसीना ने डिजिटल बांग्लादेश की अवधारणा पेश की, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और शासन में सुधार के लिए सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाना था। यह विजन 2041 तक बांग्लादेश को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में बदलने और अग्रणी बनने के क्षमता निर्माण पर आधारित है।

इस विजन का मकसद आर्थिक विकास को गति देने और जीवन की गुणवत्ता में सुधार करने में नवाचार, उद्यमशीलता और डिजिटलीकरण पर जोर देना है। बांग्लादेश को डिजिटिल बनाने की दिशा में चीनी फोन निर्माता कंपनी ख्वावे लगातार काम कर रही है। अमेरिका ने कहा है कि 5जी उपकरणों के जरिए चीन ख्वावे का इस्तेमाल जासूसी के लिए कर सकता है। इसमें कंपनी के मालिक रेन के संबंध पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से रहे

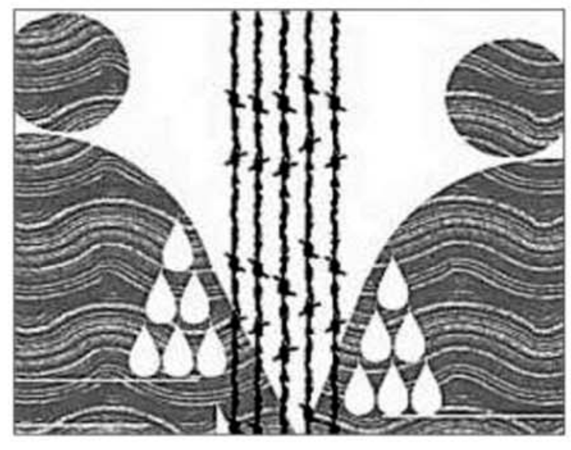

हैं। वे चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के सदस्य भी हैं। बांग्लादेश भारत के साथ लगभग 4100 किलोमीटर भूमि सीमा साझा करता है। इसकी सीमा भारतीय राज्यों- पश्चिम बंगाल, असम, मेघालय और त्रिपुरा के साथ लगी है।

भारत का पूर्वोत्तर क्षेत्र सिलीगुड़ी गलियारे के माध्यम से शेष भारत से

> हाल ही में शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच हरित साझेदारी, डिजिटल भागीदारी, समुद्री अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति तो बनी है, लेकिन बांग्लादेश के चीन के साथ भी ऐसे ही समझौते भारत को आशंकित करते हैं। आर्थिक और बैंकिंग क्षेत्र में सहयोग, व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास, आपदा प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं में चीनी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। चिटगांव क्षेत्र में एक स्मार्ट सिटी बनाने की योजना समेत ऊर्जा आपूर्ति और नदी परियोजनाओं में चीन की दिलचस्पी से साफ है कि चीन बांग्लादेश के विकसित राष्ट्र बनने के सपने का प्रमुख भागीदार बन गया है।

जुड़ा हुआ है, सिक्किम और भूटान के रास्ते चीन से निकटता के कारण यह गलियारा भारत के लिए रणनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील है। इस संकीर्ण रास्ते से नेपाल, बांग्लादेश और भूटान भी जुड़े हुए हैं। सिलीगुड़ी के जरिए पूर्वोत्तर के जुड़ाव की वजह से हमारी बांग्लादेश पर रणनीतिक निर्भरता काफी बढ़ गई है। डोकलाम में चीनी सक्रियता की वजह से भी बांग्लादेश पर हमारी निर्भरता काफी बढ़ जाती है। यह इलाका भूटान के नजदीक है। इससे हमारे लिए बांग्लादेश की भूमिका और बढ़ जाती है।

भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए ख्वावे का सीमाई इलाकों में प्रभावशील रहना चिंताजनक है। अमेरिका अपने यहां ख्वावे के साथ व्यापार करने पर प्रतिबंध लगा चुका है और चाहता है कि उससे जुड़ी सहयोगी कंपनियों को भी 5जी नेटवर्क से हटाया जाए। आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने भी ऐसे ही कदम उठाए हैं। चीन के 2017 के 'राष्ट्रीय जासूसी कानून' के अनुसार किसी भी संगठन को राष्ट्र के खुफिया काम में समर्थन और सहयोग देना आवश्यक है। इसका मतलब है कि चीन ख्वावे को किसी काम के लिए आदेश दे सकता है। इसलिए इसे लेकर अमेरिका और भारत की आशंका निर्मूल नहीं है।

चीन रक्षा क्षेत्र में बांग्लादेश का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। दोनों देशों के बीच सहयोग सैन्य हार्डवेयर, समुद्री गश्ती जहाज, कोरवेट, टैंक, लड़ाकू जेट के साथ ही सतह से हवा में मार करने वाली और जहाज रोधी मिसाइलों तक बढ़ गया है। भारत की हिंद प्रशांत रणनीति की दृष्टि से बांग्लादेश बेहद महत्त्वपूर्ण है। वहीं पूर्वोत्तर में अलगाववादी विद्रोहियों पर दबाव बनाए रखने के लिए बांग्लादेश के सहयोग की भारत को सदा जरूरत होगी। बांग्लादेश के नौसैनिक मामलों में चीन की भागीदारी बढ़ रही है। इस तरह हिंद प्रशांत क्षेत्र में उसने अपनी स्थिति बेहद मजबूत कर ली है।

हाल ही में शेख हसीना की भारत यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच हरित साझेदारी, डिजिटल भागीदारी, समुद्री अर्थव्यवस्था और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर सहमति तो बनी है, लेकिन बांग्लादेश के चीन के साथ भी ऐसे ही समझौते भारत को आशंकित करते हैं। आर्थिक और बैंकिंग क्षेत्र में सहयोग, व्यापार और निवेश, डिजिटल अर्थव्यवस्था, बुनियादी ढांचे के विकास, आपदा प्रबंधन से जुड़ी योजनाओं में चीनी कंपनियों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। चिटगांव क्षेत्र में एक स्मार्ट सिटी बनाने की योजना समेत ऊर्जा आपूर्ति और नदी परियोजनाओं में चीन की दिलचस्पी से साफ है कि चीन बांग्लादेश के विकसित राष्ट्र बनने के सपने का प्रमुख भागीदार बन गया है। भारत और बांग्लादेश के बीच तीस्ता जल बंटवारे को लेकर चले आ रहे विवाद का समाधान नहीं हुआ है, अब चीन ने तीस्ता परियोजना को पूरा करने की इच्छा जताई है। तीस्ता परियोजना में चीन की भूमिका उसे भारतीय सीमा के बहुत करीब ले आएगी और उसका दायरा सिलीगुड़ी गलियारे के करीब तक होगा।

प्रधानमंत्री शेख हसीना बांग्लादेश को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए जिस 'विजन 2041' पर काम कर रही हैं, उसमें उनकी कूटनीति चीन की तरफ झुकी नजर आती है। इस योजना के चार मुख्य आधार तय किए गए हैं- सुशासन, लोकतंत्रीकरण, विकेंद्रीकरण और क्षमता निर्माण। चीन की कर्ज नीति के चलते दुनिया के कई देशों में सुशासन और लोकतांत्रिक सरकारों को गहरी चोट पहुंची है। बेहद गरीबी से उबार कर शेख हसीना का अपने देश को विकसित देश बनाने का सपना तो अच्छा है, लेकिन उसमें चीन की व्यापक भागीदारी बांग्लादेश के भविष्य के लिए दुविधापूर्ण है ही, भारत की एकता और अखंडता के लिए भी समस्या बढ़ सकती है।

प्रतिबंध मुक्त संघ एक नयी किरण का आगाज

ललित गर्ग

केंद्र की राजग सरकार ने एक महत्वपूर्ण एवं साहसिक आदेश के जरिये सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटा कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक भावना एवं मूल्यों का जीवंत किया है। भले ही इस आदेश को लेकर विपक्षी राजनीतिक दलों की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आ रही है। वहीं संघ ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा है कि तत्कालीन सरकार ने निराधार ही शासकीय कर्मियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर रोक लगायी थी। निश्चित ही वर्तमान सरकार का यह निर्णय लोकतांत्रिक व्यवस्था को पुष्ट करने वाला है क्योंकि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एक गैर-राजनीतिक संगठन है, गत 99 वर्षों से सतत राष्ट्र के पुनर्निर्माण एवं समाज की सेवा में संलग्न संघ एक रचनात्मक, सृजनात्मक एवं सांस्कृतिक संगठन है। राष्ट्रीय सुरक्षा, एकता-अखंडता एवं प्राकृतिक आपदा के समय में संघ के योगदान की विभिन्न राजनीतिक विचारधारा के नेताओं एवं दलों ने प्रशंसा भी की है। इस नये आदेश को लेकर इंडी गठबंधन के दलों में खलबली एवं बौखलाहट का सामने आना स्वाभाविक है, क्योंकि इस आदेश से संघ की ताकत बढ़ेगी, जो इन विपक्षी दलों की चिन्ता का बड़ा कारण है।

दरअसल, आरोप है कि पूर्व की कांग्रेस सरकारों ने समय-समय पर सरकारी कर्मचारियों की संघ के कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी थी। संघ की गतिविधियों में शामिल होने पर कर्मचारियों को कड़ी सजा देने तक का प्रावधान लागू किया गया था। सेवानिवृत होने के बाद पेंशन लाभ इत्यादि को ध्यान में रखते हुए भी अनेक सरकारी कर्मचारी चाहते हुए भी संघ की गतिविधियों में शामिल होने से बचते थे। हालांकि, इस बीच मध्यप्रदेश सहित कई राज्य सरकारों ने इस आदेश को निरस्त कर दिया था, लेकिन इसके बाद भी केंद्र सरकार के स्तर पर यह वैध बना हुआ था। इस मामले में एक वाद इंदौर की अदालत में चल रहा था, जिस पर अदालत ने केंद्र सरकार से सफाई मांगी थी। इसी पर कार्रवाई करते हुए केंद्र सरकार ने नौ जुलाई को एक ऑर्डर जारी करते हुए उक्त प्रतिबंधों को समाप्त करने की घोषणा कर दी। निश्चित ही यह आदेश संघ से जुड़े एवं राष्ट्रीय विचारधारा वाले सरकारी कर्मचारियों के लिये एक नयी किरण है।

आपातकाल में इंदिरा गांधी सरकार की तानाशाही

खुलकर सामने दिखी थी, लेकिन उससे पहले भी तानाशाही कदम उठाए जाते रहे थे। दरअसल, 7 नवंबर 1966 को संसद के सामने गोहत्या के खिलाफ एक बड़ा प्रदर्शन हुआ था। 30 नवंबर 1966 को संघ-जनसंघ के प्रभाव से हिलकर इंदिरा गांधी ने सरकारी कर्मचारियों के संघ में शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया। क्योंकि संघ व जनसंघ के प्रयासों से लाखों लोग जुटे थे और पुलिस के साथ टकराव में कई लोगों की जान गई थी। गोलीबारी में सैंकड़ों निर्दोष साधु-संत मारे गये थे। इस जघन्य हत्याकांड से क्षुब्ध होकर तत्कालीन गृहमंत्री गुलजारी लाल नंदा ने अपना त्यागपत्र दे दिया था। कांग्रेस पार्टी ने 58 साल पहले वर्ष 1966 में संघ पर लगाये गए प्रतिबंध को हटाने के औचित्य पर सवाल उठाए हैं। कहा जा रहा है कि जनसंघ, वाजपेयी सरकार और मोदी सरकार की पिछली एक दशक की सरकार के दौरान भी यह प्रतिबंध नहीं हटाया गया था, फिर अभी हटाने के पीछे गहरी राजनीतिक चाल है। वहीं संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का कहना है कि संघ पिछले 99 साल से राष्ट्र के सतत निर्माण व समाज सेवा में संलग्न रहा है। अपने राजनीतिक स्वार्थ के चलते तत्कालीन सरकार ने शासकीय कर्मचारियों को संघ जैसे रचनात्मक संगठन की गतिविधियों में भाग लेने हेतु निराधार प्रतिबंधित किया था।

क्रांति का फलित है व्यापक स्तर पर होने वाला कोई बड़ा परिवर्तन। व्यक्ति जिस समाज में जीता है, उसकी व्यवस्थाओं, नीतियों और परम्पराओं में जब घुटन का अनुभव करता है जो वह किसी नए मार्ग का अनुसरण करता है। आज आजादी के बाद की राजनीतिक विसंगतियों से पनपी ऐसी ही घुटन से बाहर निकालने के प्रयत्न वर्तमान सरकार द्वारा हो रहे हैं। ऐसा ही एक विशिष्ट उपक्रम है सरकारी कर्मचारियों के संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर लगा प्रतिबंध का हटना। इसको लेकर भी विपक्षी दलों द्वारा जनता को गुमराह किया जा रहा है, राष्ट्र की एकता को विखंडित करने के प्रयास हो रहे हैं। लेकिन केंद्र सरकार ने संघ की गतिविधियों में कर्मचारियों के शामिल होने पर लगे प्रतिबंध को हटाकर नागरिक स्वतंत्रता की रक्षा की है। निःसंदेह, सरकार का यह निर्णय लोकतंत्र और संविधान की भावना को मजबूत करनेवाला है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को यह अधिकार देता है कि वह विविध सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों में शामिल हो सके। एक सामान्य नागरिक की भांति यह अधिकार कर्मचारियों को भी प्राप्त है कि अपने कार्यालयीन समय के बाद सामाजिक गतिविधियों का हिस्सा हो सकते हैं। परंतु, लोकतंत्र और संविधान की दुहाई देनेवाली कांग्रेस की सरकार ने तानाशाहीपूर्ण तरीके से संघ की गतिविधियों में सरकारी कर्मचारियों के भाग लेने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जो एक प्रकार से राष्ट्रीय विचार के प्रति झुकाव रखनेवाले लोगों को हतोत्साहित करने का प्रयास ही था। कांग्रेस की नीयत को समझिए कि उसने ऐसा कोई प्रतिबंध इस्लामिक, ईसाई, कम्युनिस्ट और अन्य प्रकार के संगठनों की गतिविधियों में शामिल होने पर नहीं लगाया था। यानी कर्मचारी इस्लामिक एवं ईसाई संगठनों से जुड़ सकता था लेकिन हिन्दू संगठन की गतिविधियों में शामिल नहीं हो सकता था। कांग्रेस की इस तानाशाही एवं द्वेष का उत्तर संघ ने तो कभी नहीं दिया लेकिन समाज ने अवश्य ही कांग्रेस को आईना दिखाने का कार्य किया।

कांग्रेस लगातार आठ दशकों में हिन्दू-संस्कृति को कमजोर करने की राजनीतिक चालें चलती रही है। जबकि हिन्दू धर्म नहीं, विचार है, संस्कृति है। हिन्दू राष्ट्र होने का अर्थ धर्म से न होकर हिन्दू संस्कृति के सर्वग्राही भाव से है। हिन्दू संस्कृति उदारता का अन्तर्निहित शंखनाद है क्योंकि पूरे विश्व में यह अकेली संस्कृति है जो बहुविचारवाद यानी सभी धर्म, विचार एवं संस्कृतियों को स्वयं में समेटे हैं। हमारे ऋषियों ने हमें यह उपदेश दिया कि 'सत्यं बूर्यात न बूर्यात सत्यं अप्रियं' अर्थात सच बोलो मगर कड़वा सच मत बोलो। हिन्दू संस्कृति की यही महानता और विशेषता रही है कि प्रिय सत्य की वकालत तो करती है मगर इसके कटु होने पर निषेध करने को भी कहती है। यह हिन्दू संस्कृति अहिंसा की संस्कृति है पर जरूरत पड़ने पर शस्त्र उठाकर स्व-रक्षा की बात भी कहती है। हिन्दू शब्द से ही स्वराष्ट्र का बोध होता है जो कि हिन्दू संस्कृति के वृहद स्वरूप का ही सौपान है। लेकिन राजनीतिक कारणों से कांग्रेस एवं अन्य ताकतों ने हिन्दू संस्कृति को निस्तेज करने, संघ को दबाने एवं समाप्त करने के लिए अनेक प्रयत्न किए। इस आदेश के अतिरिक्त तीन बार संघ पर पूर्ण प्रतिबंध भी लगाया। संघ की छवि खराब करने के लिए बड़े-बड़े नेताओं की ओर से मिथ्या प्रचार भी किया गया। अपने समर्थक बुद्धिजीवियों से पुस्तकें भी लिखवायी गईं। लेकिन निस्वार्थ भाव से देश और समाज के लिए कार्य करनेवाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को कोई रोक नहीं सका।

अपनी 99 वर्ष की यात्रा में संघ ने लगातार प्रगति एवं विस्तार ही किया है। अपने विचार, आचरण एवं सेवाकार्यों से संघ ने समाज का विश्वास जीता, जिसके कारण समाज सदैव संघ के साथ खड़ा रहा। कांग्रेस सरकार का तात्कालिक आदेश भी सरकारी कर्मचारियों को संघ कार्य में सहभागी होने से रोक नहीं सका। कई ऐसे उदाहरण हैं, जिनमें संघ गतिविधि में शामिल होने पर कांग्रेस की सरकारों ने सरकारी कर्मचारी के विरुद्ध दंडात्मक कार्रवाई की। लेकिन वे सभी मामले न्यायालय में टिक नहीं सके। संघ के स्वयंसेवक न्यायालय से जीतकर आए। उनकी छोटी-छोटी जीतों की श्रृंखला ने भी यह साबित किया कि संघ की गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए लगाया गया कांग्रेस सरकार का आदेश निरर्थक और संविधान एवं मौलिक अधिकारों की मूल भावना के विरुद्ध था।

वृक्षारोपण : अब नहीं तो कब ?

तनवीर जाफ़री

उस कोरोना काल को याद कीजिये जब कोविड प्रभावित लोग ऑक्सीजन के बिना तड़प तड़प कर मर रहे थे। पैसे ख़र्च करने पर भी ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही थी। देश के तमाम ऑक्सीजन प्लांट्स के फ़ेल होने की ख़बरें सुनाई दे रही थीं। शमशान घाट लाशों से पटे पड़े थे। नदियों में लावारिस लाशें तैरती नज़र आ रही थीं। उसी दौरान अनेक समझदार लोग ऐसे भी थे जिन्होंने पेड़ों पर अपना डेरा बना लिया था। कोई पेड़ के ऊपर चारपाई बांध कर लेटा बैठा रहता था तो तमाम लोग शुद्ध व ताज़ी ऑक्सीजन की चाह में पेड़ों के नीचे पनाह लेने को मजबूर थे। उस दौर में देश के लाखों ग्रामीणों ने तो बग़ीचों में ही अपना लगभग स्थाई अड्डा बना लिया था। गोया महामारी जैसे संकट के उस दौर में भी प्रकृति हमें पेड़ों व दरख़्तों के माध्यम से निःशुल्क ऑक्सीजन प्रदान कर रही थी। एक युवा पेड़ हमें एक वर्ष में लगभग 7 क्विंटल ऑक्सीजन प्रदान करता है जबकि हमारे लिये हानिकारक व हमारे ही द्वारा विभिन्न माध्यमों से छोड़ी जाने वाली लगभग 20 टन कॉर्बन डाई ऑक्साइड को भी खींच (सोख) लेता है।

आज पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग का शिकार है। गत दस वर्षों से पृथ्वी के लगातार बढ़ते तापमान के कारण पूरे विश्व में ग्लेशियर पिघलने लगे हैं।आदिवासियों से उनके जल जंगल ज़मीनों के अधिकार छीन कर उद्योगपतियों के हवाले किये जा रहे हैं। ब्राज़ील से लेकर भारत तक बड़े पैमाने पर विकास के नाम पर वृक्षों की कटाई की जा रही है।मिसाल के तौर पर मध्य भारतीय राज्य छत्तीसगढ़ में हसदेव अरण्य वन के लाखों पेड़ अडानी द्वारा संचालित परसा ईस्ट केते बासेन कोयला खदान के विस्तार के लिये स्थानीय ग्रामीणों व आदिवासियों के प्रबल विरोध के बावजूद पुलिस बल की निगरानी में काटे जा रहे हैं। जबकि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पर्यावरण दिवस पर %एक पेड़ माँ के नाम% अभियान का संकल्प लिया है। प्रचार के अनुसार इसी अभियान के तहत मध्यप्रदेश में साढ़े पांच करोड़ पौधे लगाए जाएंगे और इसी क्रम में 51 लाख पौधे केवल इंदौर में लगाये जाने की योजना है। इस समय देश का शायद ही कोई ऐसा विभाग हो जिसने वृक्षारोपण को लेकर सक्रियता न दिखाई हो।

इसका एक प्रमुख कारण यह है कि इस वर्ष गर्मी का जितना प्रकोप भारत सहित पूरी दुनिया ने झेला उतनी प्रचंड गर्मी पहले कभी नहीं देखनी व सहनी पड़ी। पूरे विश्व में लाखों लोग तेज़ गर्मी की तपिश सहन न करते हुये तड़प कर मर गये। इसलिये इस भीषण गर्मी में भी लोगों को वृक्षों ने आकर्षित किया तथा पेड़ों ने अपनी ज़रूरत का एहसास कराया। ग़ौरतलब है कि एक बड़े वृक्ष के नीचे औसतन चार डिग्री तापमान कम रहता है। साथ ही यही वृक्ष तेज़ धूप की तपिश से भी बचाता है। वर्तमान युग में बढ़ती गर्मी का एक कारक प्रदूषण भी है। प्रदूषण में धुएं के अतिरिक्त धूल मिटटी शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण का भी अहम योगदान है। परन्तु एक स्वस्थ वृक्ष एक वर्ष में न केवल 20 किलोग्राम से

अधिक धूल मिट्टी अपने आप में सोख लेता है बल्कि शोर गुल यानि ध्वनि प्रदूषण को भी कम करता है। इतना ही नहीं बल्कि यही वृक्ष क़रीब 1 लाख वर्ग मीटर प्रदूषित हवा का भी निस्पंदन करता है। यही वृक्ष 80 किलोग्राम पारा, लीथियम व लेड जैसी ज़हरीली धातुओं के मिश्रण को भी सोखने की क्षमता रखता है।

पेड़ पौधों की अहमियत को वैसा तो कोविड काल ने ही लोगों को ठीक से समझा दिया था। ख़ासकर शहरी जीवन बिताने वाले लोगों को तो कुछ ज़्यादा ही। क्योंकि कोविडकाल के बाद पूरे देश में शहरी इलाक़ों में गमलों व इनमें पौधे लगाने का चलन पहले से कई गुना ज़्यादा बढ़ गया है। पक्की फ़र्श वाले मकानों में रखे हुये पर्याप्त मात्रा में गमले में लगे पौधे बेशक एक घर के तापमान को तो नियंत्रित करने व ऑक्सीजन देने की क्षमता तो रखते ही हैं। यह कोविड काल की ही दहशत है जिसके चलते पूरे देश में प्लास्टिक,मिटटी व सीमेंट के गमलों तथा नर्सरीज़ में पौधों की बिक्री कोविड काल के बाद कई गुना अधिक हो चुकी है।

वृक्षों का बादलों से भी गहरा नाता है। आम तौर पर रेगिस्तानी क्षेत्रों में बारिश इसलिए नहीं होती या अत्यधिक कम होती है क्योंकि वहां पर्याप्त संख्या में वृक्ष नहीं होते। जबकि दुनिया में अनेक घने जंगलों के इलाक़े ऐसे भी हैं जहाँ घने जंगलों के कारण अत्यधिक वर्षा होती है। ऐसे घने जंगलों को वर्षावन भी कहा जाता है। गोया वृक्ष,बादल ,बारिश हरियाली मानव जीवन और खुशहाली का आपस में एक दूसरे से सीधा नाता है। नदी नालों के कटाव को रोकने में भी वृक्ष अहम भूमिका अदा करते हैं। यानी बाढ़ रोकने में सहायक होते हैं। हमें अध्ययन करने से तो यहाँ तक पता चलता है कि समुद्री किनारों पर पाए जाने वाले मैंग्रोज़ के पेड़ व इन के घने जंगल सुनामी की गति को नियंत्रित करने तक का काम करते हैं। इतना ही नहीं बल्कि यह समुद्री क्षेत्र के विस्तार को भी रोकते हैं। जबकि इन पेड़ों की आधी जड़ें भी धरातल के ऊपर होती हैं।

बहरहाल,वृक्षारोपण को इस समय मानव जीवन के अस्तित्व से जोड़कर देखने की ज़रुरत है। किसी सरकार,शासन या प्रशासन की तरफ़ मुंह देखने के बजाये जनता को स्वयं इसे जनांदोलन के रूप में लेना होगा और अपनी आदतों में शामिल करना होगा। याद रहे कि सरकारें वृक्षारोपण का शोर कर सकती हैं,इसपर चलाये जाने वाले अभियान का प्रचार कर सकती हैं,इसके नाम पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा सकता है। और तो और लगे लगाये दरख़्तों व जंगलों को कार्पोरेट्स के हित में कटवाने की भागीदार भी हो सकती हैं। विज्ञापनों व साक्षात्कार के माध्यम से इसके महत्व का बखान कर सकती हैं परन्तु चूँकि यह %वोट बैंक % से जुड़ा विषय नहीं इसलिये इसके प्रति उतनी गंभीरता नहीं दिखातीं जितनी कि ज़रूरत है। लिहाज़ा आज देश के प्रत्येक नागरिक को चाहे वह बच्चा,बूढ़ा,जवान महिला कोई भी हो उसे वृक्षारोपण को अपनी आदतों में शामिल करना होगा। स्वयं उसकी देखभाल व निगरानी करनी होगी।मां के नाम का केवल एक पेड़ ही काफ़ी नहीं बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को ख़ासतौर पर वर्षाऋतु में जहाँ और जितने हो सकें अधिकतम वृक्ष लगाने होंगे। इसी अपने जीवन की दैनिक गतिविधियों में शामिल किये जाने की ज़रुरत है। शादी विवाह,मरना जीना ,जन्मदिन मरणदिन विवाह अथवा जन्म या मृत्यु की सालगिरह बरसी प्रत्येक अवसर को यादगार बनाने हेतु हर इन अवसरों पर वृक्षारोपण करें। यदि धरती के बढ़ते तापमान के दौर में वृक्षारोपण के प्रति अब भी हम गंभीर व सक्रीय नहीं हुये तो और कब होंगे ? संपर्क :-

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

डेंगू नियंत्रण और पॉजिटिव मरीज के लिए अधिकारियों ने दौरा किया

विकास खंड तिरला अंतर्गत ग्राम बागड़ीया में डेंगू नियंत्रण गतिविधियों के सपोर्टिव सुपरविजन और डेंगू पॉजिटिव मरीज के फालोअप के लिए जिला मलेरिया अधिकारी श्री धर्मेंद्र जैन और जिला व्ही. बी. डी .सलाहकार , श्री आर .कटारे द्वारा ग्राम बागडिया का दौरा किया गया। ग्राम में विकास खंड तिरला से स्वास्थ्य कार्यकर्ताओ की टीम जिसमे एमटीएस ,एएनएम, आशा सहयोगी और आशा कार्यकर्ता द्वारा लार्वा सर्वे फीवर सर्वे, जल जनित बीमारियो के बचाव, के बारे मे घर घर भ्रमण कर जानकारी दी गई। ग्राम पंचायत बागडिया सरपंच और सचिव से समन्वय कर ग्राम में इंडोर आउट डोर फॉगिंग, करवाया गया। डेंगू से बचाव के लिए ग्राम में पंचायत के सहयोग से लार्वा विनिस्टीकरण, साफ सफाई, पानी की निकासी , जल भराव न हो । इस सम्बन्ध में ग्राम पंचायत और स्वास्थ्य विभाग की समन्वय बैठक कर समझाइस दी गई। जिला मलेरिया अधिकारी श्री धर्मेंद्र जैन द्वारा बताया गया कि वर्तमान में हो रही बारिश के कारण जगह जगह जल भराव के कारण मच्छरों के लार्वा पनप रहे हैं। इस लिए अपने घर के आस पास पानी जमा नहीं होने देवे। घर में रखे पानी के पात्रों की नियमित साफ सफाई करते रहे।

एक पेड़ मां के नाम अभियान अन्तर्गत जिला पुलिस अधीक्षक ने किया पौधारोपण

धार। महाराजा भोज उद्यान धार में आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के अन्तर्गत धार जिला पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार को नगर में इंदौर नाका स्थित महाराजा भोज उद्यान परिसर में फूल और फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता श्याम नायक, हमारा प्रयास सेवा संस्थान अध्यक्ष संजय शर्मा, विकास शर्मा शांतिलाल शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि धार जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि पौधा रोपण पर्यावरण को शुद्ध करने की ओर श्रेष्ठ पहल है। पौधा रोपण के साथ पौधों की सुरक्षा का भी समुचित ध्यान रखा जाना भी अत्यंत आवश्यक है। जिला पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह द्वारा उद्यान में 1 वर्ष पूर्व लगाएं जामुन पौधे को दिखा पौधा सुरक्षित देख उद्यान माली को धन्यवाद देते हुए प्रशंसा की। महाराजा भोज उद्यान के सुरक्षा गार्ड किशोर अंसारी और उद्यान के माली रमेश चौहान ने पौध रोपण कार्यक्रम में सराहनीय सहयोग प्रदान किया।

विशाल भंडारे के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा महोत्सव,

औबेदुल्लागंज संवाददाता - गुरु पूर्णिमा के पावन पर्व पर, चित्रकूट धाम के कथावाचक पंडित संतोष तिवारी शास्त्री के निज निवास, वार्ड नंबर 12 अर्जुन नगर में गुरु पूर्णिमा महोत्सव कार्यक्रम रखा गया ,हजारों भक्तों ने गुरु पूजन किया प्रातःसात बजे से भक्तों का आना प्रारंभ हुआ भक्तों ने अपने गुरु से आशीर्वाद लेकर के सत मार्ग मे चलने का संकल्प लिया ,गुरु का महत्व बताते हुए पंडित संतोष तिवारी शास्त्री ने कहा, गुरु के बिना मुक्ति नहीं होती चाहे वह ब्रह्मा के समान पद क्यों न मिल जाए बिना गुरु के किसी प्रकार का कोई धार्मिक पूजन ,कन्यादान ,गोदान अन्नदान ,तीर्थ यात्रा ,आदि का फल नहीं मिलता इसलिए जीवन में गुरु महामंत्र लेकर के अच्छे कार्य करना चाहिए पंडित संतोष तिवारी शास्त्री ने उपस्थित भक्तों से श्रावण मास में पेड़ लगाने का संकल्प दिलाया सभी भक्तों ने पेड़ लगाने का और उसे पालने का सीचने का संकल्प लिया, पेड़ लगाने से बरसात अच्छी होती है पर्यावरण में सुधार होता है इसलिए सभी भक्तों को पेड़ लगाना चाहिए गुरु पूजन के पश्चात भक्तों ने भोजन प्रसादी ग्रहण की रात्रि ग्यारह बजे कार्यक्रम का समापन हुआ इस अवसर पर सुनील सेरिया , वचन लोधी, पदम सिंह चौहान, दिलीप मेघानी , पार्षद मनोज हेमलता चौरसिया, रॉबिन अग्रवाल, नीरज चावला, आशीष दीक्षित एवं भक्तों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया

24 शिक्षा विभाग, 8 राजस्व एवं 8 जनजातीय कार्य विभाग में आवेदकों को मिल चुकी है अनुकंपा नियुक्ति

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले में श्रद्धांजलि अभियान चलाया जा रहा है। जिसके सार्थक परिणाम आ रहे है। इस अभियान अंतर्गत जिले के दिवंगत आमजनों के भूमि आदि के फौती नामांतरण किये जाते हैं। इसी अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्री जी.आर. के निर्देशन में दिवंगत शासकीय सेवकों के परिजन को अनुकंपा नियुक्ति देने की तत्काल प्रक्रिया की जाती है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश भर में छतरपुर जिला प्रशासन अनुकंपा नियुक्ति के प्रकरणों का निराकरण करने में उदाहरण बनकर उभरा है। जहाँ नई ऊर्जा और सकारात्मक संकल्पों की राह से अनुकंपा नियुक्ति की उम्मीद लगाए चेहरों पर खुशियां बिखर रहीं हैं। कलेक्टर श्री संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले में अनुकंपा नियुक्ति के आवेदकों को बिना किसी परेशानी के आसानी से नियुक्तियां मिल रहीं है। साथ ही नियुक्ति प्रक्रिया को बहुत ही आसान किया गया है, जिससे आवेदकों को बहुत ही कम समय में अनुकंपा नियुक्ति मिल रही है। मंगलवार को श्रद्धांजलि अभियान में कलेक्टर श्री जी.आर. ने आवेदक कालकादीन अहिरवार को शासकीय अनु. जाति सीनियर बालक छत्रावास बारीगढ़ में चौकीदार के पद पर अनुकंपा नियुक्ति पत्र सौंपकर दिवंगत शासकीय सेवक स्व. मोतीलाल अहिरवार को सच्ची श्रद्धांजलि दी।

ग्राम गोरखपुर के किसानों के खेतों में जहरीला दवा से फसलों को छति

मंडला। जिले के जनपद पंचायत मोहगाँव अंतर्गत ग्राम पंचायत सिंगारपुर के पोषक ग्राम गोरखपुर में लोहान कृषि फार्म के द्वारा अपने क्षेत्र में केमिकल दवा छिड़कने से आसपास के किसानों के फसलों को केमिकल दवा से भारी छति हो गया है, बता दें कि बारिश के पहले लोहान कृषि फार्म के द्वारा अपने क्षेत्र में केमिकल दवा का छिड़काव किया जब बारिश होने से पूरा दवा पानी के साथ बहकर नीचे वाले किसानों के खेतों में लगी फसलों पर चले जाने से पूरी फसल नष्ट हो गया है। फसल नष्ट हो जाने से परिवार का पालन-पोषण करने भारी संकट आ गया है। पीडित किसानों ने दिनांक 22/7/2024 को कार्यालय उप तहसील मोहगाँव एवं थाना मोहगाँव में पहुँच कर आवेदन पत्र के माध्यम से लोहान कृषि फार्म वाले के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई और फसलों के नुकसानी दिलवाने के संबंध में मांग की है। वही इसी प्रकार ग्राम सिंगारपुर निवासी पीडित किसान रामनौमी केराम के फसलों को केमिकल दवा से भारी छति हुआ है। पीडित किसान ने बताया कि पिछले सात वर्षो से अपने क्षेत्र में केमिकल दवा छिडकने से मेरे खेत में लगी फसलों को नुकसान होता आ रहा है। जिससे परिवार का जीवकोउपार्जन में भारी संकट छा गया है।

इस दौरान ग्राम गोरखपुर के पीडित किसान गुल्लू राम, अच्छे लाल,फागू लाल, बिंद लाल,हीरा सिंह,चमन लाल, श्याम लाल, बरतू सिंह,हल्के राम,सुकरत,सुफल,दीपक, लक्ष्मी, राजेश, तुलसी राम,सीताराम,सुक्खू, हम्मी, रुपराम, संतोष सहित अन्य पीडित किसानों ने संबंधित प्रशासन से मांग की है कि नष्ट हुई फसलों का जांच कराकर उचित मुवायजा दिलवाया जाए।

शिव पार्वती मंदिर में सावन सोमवार को लगा श्रद्धालुओं का तांता

दैनिक सांध्य प्रकाश संवाददाता सोहागपुर । राज्य मार्ग नर्मदापुरम पिपरिया 22के किनारे 16वीं सदी की शिव पार्वती मंदिर परिसर में स्थित पाषाण प्रतिमा के पूजन अर्चन को सोमवार के प्रथम सावन पर श्रद्धालु भक्तों का सुबह सवेरे से ही जलाभिषेक के लिए तांता लगा रहा। शिव पार्वती मंदिर के पुजारी माखनलाल शर्मा ने बताया कि उक्त शिव पार्वती प्रतिमा में समस्त देवी-देवताओं की प्रतिमाएं कौशलता से 16 सदीं उकेरी गई बताई जाती है। इस प्रतिमा की यह विशेषता है कि इसमें ओमकार आरती के संदर्भ में प्रत्येक एक अंगों का समावेश प्रतिमा निर्माताओं ने किया था।ऐसी शिव पार्वती की दुर्लभ प्रतिमा संभवतः देश में कहीं नहीं है। उल्लेखनीय है कि शिवरात्रि पर यहां तीन दिवसीय मेले का आयोजन किया जाता है। मेले में दूरदराज के व्यापारी अपनी अपनी दुकानें लगाते हैं। वहीं मेले की रोनक इलेक्ट्रानिक झूलों बढ़ जाती है। आपने आगे बताया कि महाराष्ट्र से पचमढ़ी जाने वाले श्रद्धालु इस मंदिर में दर्शनों को अवश्य रुकते हैं। आज यहां सुबह से जारी श्रद्धालु भक्तों का दर्शन-पूजन अर्चना का सिलसिला इस समाचार लिखे जाने तक निर्बाध चल रहा है। उल्लेखनीय है कि शिव पार्वती मंदिर के पास राम भक्त हनुमान मंदिर,श्री राम मंदिर एवं माता मंदिर भी हैं। सभी मंदिरों में भक्तजन दर्शनों एवं पूजा अर्चना करने पहुंचते हैं।

गुरुपूर्णिमा पर्व , संत संतोखसिंह भजनगढ़ गुरुद्वारा मे हर्षोल्लाष से मनाया गया

ओबेदुल्लागंज । को नगर के बार्ड नंबर 12 अर्जुन नगर के गुरुद्वारा संत संतोखसिंह जी भजनगढ़ में गुरु पूर्णिमा का पर्व बड़े ही हर्षोल्लाष से मनाया गया , इस अवसर पर, दीवान सजाया गया, तत्पश्चात सर्वप्रथम 11ः00 बजे से गुरनाम गिल एव महिलाओं नै भजन प्रस्तुत किऐं, वहीं गुरू घर के दीवान भाई भगवान सिंहजी ने कीर्तन कर सबका मन मोह लिया , वही कथाकार जगजीत सिंह (जीते भैयाजी) ने कथा मे गुरु की महिमा का बर्णन किया , उन्होने बताया कि गुरु गोविंद सिंह जी द्वारा कहे गए वाक्य भी सब सिक्खन को हुकुम है , गुरु मानिओं ग्रंथ , वही कथाकार ने कहा कि ,गुरु गोविंद दोउ खड़े काके लागू पाए , बलिहारी गुरु आपने जो गोविंद दिए बताऐ ! इस प्रकार गुरु से ही हमें ज्ञान की प्राप्ती होती है , जिससे हमारा जीवन का भविष्य सुधरता हैं ! कार्यक्रम अरदास के उपरांत प्रसाद वितरण एवं गुरुजी का अटाटूट लंगर प्रसाद बांटा गया , गुरपालसिंह (भौला)को सुरजीतसिंह बिल्ले ने सिरोपा भेट कर सम्मानित किया गया ! गुरुपूर्णिमा कार्यक्रम मे मुख्य रूप से सुरजीतसिंह गिल , सुरजीतसिंह बिल्ले, देवेंद्र सिंह (राजू भैया) , हरदीप सिंह, मनजीत सिंह , पवनजोत सिंह, लक्ष्मणसिंह नायक , लख्विंदर सिंह लक्की , सुभाष गोर, छोटेलाल , मांगीलाल प्रजापति , बेबू दासवानी , गंगाराम साहू , कालू नायक आदि सहित माताएं बहनें भी बड़ी संख्या मे उपस्थित रही थी , वही नन्हे मुन्ने बच्चों एवं बच्चियों ने भी अपनी खूब हाजरी दर्ज कराई !

नैनपुर की डायरी

रामकुमार चौरसिया

मंडला जिले के नैनपुर मे राजनीतिक गतिविधियों मे अब जागरूक मतदाता भी चाहकर भी शांत रहना पंसद करता हं हम विभाग वार अपनी बात को जनसामान्य के बीच रखकर प्रयास कर रहे?है आनेवाली युवा पीढ़ी से अपेक्षा हे जनजीवन से जुड़े चिकित्सा सुविधाओं पर चर्चा कर वास्तविक ता को सामने लाने का संबधितो के द्वारा दी गई जान कारी का आधार बनाकर सामने लाया गया है बिना नामकरण के बिना उदघाटन के सौ बेड के असपताल की गाथा ही कुछ ओरहैनैनपुर की बड़ी उपलब्धि को लेकर आमजनों मे प्रतिक्रिया लबी दूरी को लेकर चर्चा मेरही विशाल काय भवन मे अस्पताल बन गया लंबे अतराल तक उदघाटन की प्रतिक्षा मे बाट जोहटा रहा बड़ी उपलब्धि का ओपचारिक उदघाटन तो हो गया शनैः शनैं। मरीज तो अपना इलाज कराने दूरीका रोना रोकर आने लगेहै मरीजों के लिए सस्ती सुविधा नही होने का एक दर्द भी ईलाज मे जुड रहा है असपताल समिति से लेकर जन प्रतिनिधि समाज सेवी सललसुविधा बना सकतु है नगर पालिका नै पिछले कार्यकाल मे ई रिक्शा की सुविधा का प्रयास किया था परंतु मामला उलझ गया नयी परिषद प्रयास मे लगी है ।

डायलेसेस मशीन घोषित होने के बाद भी उलझनमे प्रयास जारीः नैनपुर के सरकारी अस्पताल मे डायलेसेस की मशीन की घोषणा राज्य सभा सासंद विवेक तनखा जी ने क्षेत्र मे किडनी के मरीजों की ऐसंख्या बढती जानकर लगभगआठ माह पहले करदीहै परंतु घोषणा के बाद भी मशीन नहीं आई जिसकेपीछे कागजी कार्रवाई बताया गया हे खंड चिकित्सा अधिकारी डा चावला ने बताया कि उच्च स्तर पर प्रयास कियेजारहे है किडनी की गंभीर बीमारी के लिए बडी कार्यवाही बडा खर्च लगता है हर संभव सहयोग मानव सेवा का परिचायक है। चिकित्सा लय मे अनेक सुझाव हे तो शिकायतों का अंबार है 20 डाक्टर की जगह 4 ही है वही 25 नर्स की जगह 16 है

नैनपुर के सरकारी अस्पताल मे कमियाँ हैः मरीजों के अलावा आमजनों के लिए शुलभकामपलेकस नही है वही रैन बसेरा की सुविधा होना आवश्यक है जो सवीकृती की पक्रिया मे है नेटवर्क एक कंपनी के किसी अन्य का नही मिलता प्रशासन को आवशय क सेवा के लिए अन्य कंपनी की नेटवर्क सेवा उपलब्ध कराया जाना आवश्यक है जनहित मे फिर कभी

सिवनी मंडला सड़क मार्ग बंद

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आज दिनांक 23/7/24 को थावर नदी नैनपुर पुल पर से काफी पानी जा रहा है इस कारण मंडला से सिवनी जाने वाले वाहन चालकों से निवेदन है कि वह बालाघाट होते हुए सिवनी पहुंचेंगे / और सिवनी से मंडला आने वाले वाहन चालकों से निवेदन है कि वह धनोरा होते हुए पिंडरई होते हुए मंडला पहुंचेंगे क्योंकि थावर नदी के पुल पर काफी पानी जा रहा है और थावर डैम के गेट और बीजेगांव डैम के गेट भी खोले गए है इसलिए 24 घंटे पुल पर पानी चलने की संभावना है कृपया विशेष ध्यान देवें।

24 को रोजगार मेला एवं कैम्पस ड्राइव का आयोजन

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. के निर्देशन में जिले के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि 24 जुलाई 2024 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक शासकीय आई.टी.आई. संस्थान महोबा बायपास रोड छतरपुर में एक दिवसीय रोजगार मेला एवं प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। जिसमें बेरोजगार युवक युवतियों को रोजगार देने के लिए विभिन्न निजी क्षेत्र की कंपनियों के प्रतिनिधियों द्वारा भाग लिया जा रहा है।

जल्द से जल्द जल भराव की समस्या दूर करने के दिए निर्देश

कलेक्टर ने जल भराव क्षेत्र का लिया जायजा

सांध्य प्रकाश, विदिशा। कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने सोमवार को विदिशा शहर क्षेत्र में वर्षारूपी भराव जल की निकासी के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है। उन्होंने जल भराव क्षेत्र मेडीकल कॉलेज के बाजू से कलेक्टोरेट पहुंच मार्ग तथा स्टेडियम से मेडिकल तिराहा पहुंच मार्ग के मध्य स्थित शासकीय अग्रणी कन्या महाविद्यालय, बीज निगम, पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय क्षेत्र का जायजा लिया और जल निकासी के लिए किए जाने वाले प्रबंधो के संबंध में विभागो के अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने कहा कि पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों को स्कूल तक पहुंचने के मार्ग में दिक्कते आ रही है तो वैकल्पिक मार्ग कॉलेज अथवा छात्रावास के रास्ते से बनाया जाए। उन्होंने जल निकासी के लिए ठोस कदम उठाने, साफ सफाई कराने सहित अन्य बिन्दुओं पर आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री वैद्य ने सीएमएचओ कार्यालय व समीपवर्ती कॉलोनियों का भी भ्रमण कर जल भराव क्षेत्रों का जायजा लेते हुए संबंधितों को निर्देशित किया है कि जल निकासी के प्रबंध किए जाएं ताकि दुबारा वर्षारूपी जल का ठहराव ना हो सकें। इस दौरान कालोनी के रहवासियों द्वारा मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। निरीक्षण भ्रमण के दौरान अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर, संयुक्त कलेक्टर विनीत तिवारी, एसडीएम क्षितिज शर्मा, तहसीलदार डॉ. अमित सिंह के अलावा रेल्वे, लोक निर्माण, नगरपालिका सहित अन्य विभागो के अधिकारी व कर्मचारी साथ मौजूद रहें।

वर्षा से क्षतिग्रस्त पुल , पुलियों और सड़कों की मरम्मत के कलेक्टर ने दिए निर्देश

सीहोर। कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह की अध्यक्षता में समय सीमा पत्रकों के निराकरण के लिए टी एल बैठक आयोजित की गई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने सभी अधिकारियों को पूर्व से विभागीय लंबित आवेदनों के निराकरण करने और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए और कहा कि सभी विभाग अपनी विभाग की 50 दिवस से अधिक समय से लंबित शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें। उन्होंने विभागवार सीएम हेल्पलाइन की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर श्री सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में फिर प्रथम स्थान पर आने के लिए सभी अधिकारियों को बधाई देते हुए इसी तरह पूरी गंभीरता से आमजन की शिकायतों का निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री सिंह नें वन व्यवस्थापन के अन्तर्गत वनखंडो के विस्थापन की कार्यवाही शीघ्र करने के सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने शासकीय विभागों को भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही में गति लाने के निर्देश दिए हैं। जिले में भूमि आवंटन के 49 प्रकरणों पर कार्यवाही की जाना है। इसके साथ ही प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार सभी जनपदों में भी स्वास्थ्य शिविर लगाने के सीएमएचओ को निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए महाविद्यालयों में शिविर लगाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि अन्य जिलों के पशुपालक वर्षा काल में सीहोर जिले की सीमा में अपने पशु छोड़ जाते हैं, जिनका सड़कों पर जमावड़ा होने से दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। उन्होंने दूसरे जिलों से सीहोर जिले में पशु छोड़ने पर रोक लगाने के निर्देश दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने वनखण्डों के व्यवस्थापन के साथ ही वन ग्रामों को राजस्व ग्रामों में बदलने की कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री आशीष तिवारी, अपर कलेक्टर श्री वृंदावन सिंह, संयुक्त कलेक्टर सुश्री वंदना राजपूत, श्री नितिन टाले, श्री आनंद सिंह राजावत, एसडीएम श्री जमील खान, श्री तन्मय वर्मा, स्वाति मिश्रा, डिप्टी कलेक्टर श्री सुधीर कुशवाह सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे। जिले के सभी जनपद स्तरीय अधिकारी-कर्मचारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

बारिश में क्षतिग्रस्त सड़कों , पुल-पुलियों की मरम्मत के निर्देश

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने वर्षा के दौरान क्षतिग्रहत हुई सड़कों और पुल- पुलियों की मरम्मत के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार और नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि जिले के सभी तालाबों, डेम, नदी, नालों और जल भराव वाले क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखें और स्थानीय लोगों से सम्पर्क में रहें। कलेक्टर श्री सिंह ने वर्षा, जल भराव और अतिवृष्टि की स्थिति में लोगों को ऐसी जगाहों से हटाने और वैकल्पिक व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने बीती रात अमरगढ़ वाटर फॉल में लोगों के फंस जाने की घटना का उदहरण देते हुए कहा कि गहरे पानी वाली जगहों पर लोगों को जाने से रोका जाए।

राजस्व महा अभियान मे कोताही बर्दाश्त नहीं

कलेक्टर श्री सिंह ने 18 जुलाई से प्रदेश के साथ ही जिले में प्रारंभ हुए राजस्व महा अभियान के संबंध में कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान लापरवाही पाये जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने राजस्व न्यायालयों (आरसीएमएस) में समय सीमा में लंबित नामांतरण, बंटवारा, अभिलेख दुरुस्ती के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पटवारी अपने-अपने हलके में रहे और अभियान के तहत समस्याओं का त्वरित निराकरण करें। उन्होंने अभियान में अभिलेख दुरुस्ती के संबंध में निर्देश देते हुए कहा कि ई-केवाईसी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी अन्य सुविधाओं से संबंधित शिकायतों के त्वरित निराकरण करें।

दस्तक अभियान में 17162 बच्चों की हुई स्क्रीनिंग

दस्तक अभियान के तहत कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि लक्ष्य के अनुरूप बच्चों की स्क्रीनिंग की जाए तथा कुपोषण पाए जाने पर उन्हें एनआरसी में भर्ती किया जाए। दस्तक अभियान के तहत अभी तक शून्य से 05 वर्ष के 17162 बच्चों की स्क्रीनिंग की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने दस्तक अभियान के संचालन में सहयोग करने वाले सभी विभागों को समन्वय कर अधिक से अधिक बच्चों की स्क्रीनिंग करने के निर्देश दिए।

÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत रोपे गए 21777 पौधे

समीक्षा के दौरान बताया गया कि ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के तहत 21777 पौधे रोपे गए तथा वायुदूत एप पर पौधरोपण के फोटो अपलोड किए गए हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जो भी पौधे रोपे जाएं उनके फोटो वायुदूत एप पर अपलोड किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि वृक्षारोपण के सामूहिक कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्षा ऋतु के दौरान अधिक से अधिक पौधरोपण किया जाए।

भू-अर्जन एवं मुआवजा वितरण की विस्तृत समीक्षा

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने रेल, नेशनल हाईवे एवं सिंचाई परियोजनाओं सहित अन्य शासकीय कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण तथा मुआवजा वितरण की समीक्षा करते हुए राजस्व विभाग एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कार्यवाही तेजी से की जाए ताकि परियोजनाओं का कार्य शीघ्र प्रारंभ हो सके। बुधनी इंदौर रेल लाईन के लिए भू-अर्जन की प्रक्रिया प्रचलन में है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जिन विभागों को शासकीय भूमि आवंटित की गई है उन विभागों के अधिकारी राजस्व रिकार्ड में विभाग के नाम से दर्ज कराएं।

सोशल मीडिया से

भारत संघ - अधिनियम

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006

भारत संघ
भारत

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006

2006 का अधिनियम 34

23 अगस्त 2006 को राजपत्र 34 में प्रकाशित
23 अगस्त 2006 को स्वीकृति दी गई

23 अगस्त 2006 को प्रारंभ हुआ

पूर्व प्रधानमन्त्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में बने खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम-2006 के प्रावधान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम- 2006 के तहत प्रत्येक रेस्टोरेंट संचालक/ढाबा मालिकों को अपनी फर्म का नाम, अपना नाम और लाइसेन्स नम्बर लिखकर चस्पा करना अनिवार्य है!साथ ही खाद्य पदार्थों कि मूल्य सूची लगाना भी अनिवार्य है! खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम-2006 कि धारा - 61 के तहत झूठी सूचना के लिए 3 माह कि कैद और दो लाख जुर्माने का प्रावधान है!खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 कि धारा 63 के अनुसार कोई व्यक्ति जिसे इस अधिनियम कि धारा-31 कि उपधारा (2) के अन्तर्गत लाइसेन्स से छूट प्राप्त है- उसे छोड़कर यदि कोई बिना लाइसेन्स के खाद्य पदार्थ का निर्माण और विक्रय करता है तो उसे 6 माह के कारावास और 5 लाख जुर्माने का प्रावधान है!!

नकली खाद मामले में 8वां आरोपी पवन इंटरप्राइजेज का संचालक गिरफ्तार, 4 आरोपी पुलिस रिमांड पर!

बालाघाट जिले के वारासिवनी में नकली खाद मामले में 7 लोगों से पुछताछ करने के बाद बालाघाट पुलिस ने रतलाम के धानमंडी में पवन इंटरप्राइजेस पर दबिश दी। बाद में इसके संचालक को गिरफ्तार करते हुए पुलिस अपने साथ बालाघाट ले गई हैं।

बता दें कि पुलिस ने शहर के धानमंडी स्थित पवन इंटरप्राइजेस के संचालक बारदान के व्यापारी सुदर्शन मालवीय से पूछताछ की और उन्हें पकड़कर ले गई, पुलिस ने इंटरप्राइजेस से कुछ बोरियां भी जप्त की हैं। जिनका वहां मिली बोरियों से मिलान किया जाएगा।

कल शाम धानमंडी स्थित पवन इंटरप्राइजेस पर माणकचौक थाना पुलिस के साथ वारासिवनी थाना पुलिस पहुंची तो क्षेत्र में हड़कंप मच गया और आस-पास स्थित और भी दुकानों के शटर बंद हो गए। पुलिस ने दुकान के मालिक सुदर्शन मालवीय से पूछताछ की। इसके बाद आगे की कार्यवाही के लिए अपने साथ ले गई।

बालाघाट जिले की पुलिस ने किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले कृषि केंद्र विक्रेताओं, सप्लायर और दलालों पर शिकंजा कसा और इससे जुड़े 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया। कृषि विभाग के अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त टीम ने सबसे पहले बारदान और खाद के दलाल जमील अंसारी को गिरफ्तार किया। फिर रमेश अजीज, दीक्षांत जैतवार, भुवनेश्वर चौहान, विनय बिसेन, अजय कटरे, पौरुष भगत को गिरफ्तार किया। पकड़े गए इन आरोपियों से पुछताछ के बाद जो भी नाम सामने आ रहा हैं, पुलिस उनको पुछताछ के लिए अपने साथ लें जा रही हैं।

नकली खाद, बीज और कीटनाशक दवा मामले में गिरफ्तार किए गए एग्जोन संचालक अजय कटरे से पुलिस को पुछताछ में यह जानकारी मिली थी कि सिवनी निवासी जमील अंसारी ने खाद की सप्लाई की थी। चूंकि आरोपी जमील अंसारी भी जानता था कि आरोपी अजय कटरे और उसके साथी, कंपनियों से मंगाई गई खाद, बीज और कीटनाशक दवा को ब्रांडेड कंपनियों के नाम से बेचकर धोखाधड़ी कर रहे हैं।

जिसके चलते पुलिस ने उसे भी आरोपी बनाया हैं। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में वारासिवनी पुलिस किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले गिरोह की अंतिम कड़ी तक पंहुचने में जुटी है। ताकि किसानों से खाद बीज और कीटनाशक दवा के नाम से धोखाधड़ी करने वालों को सबक मिले।

मामले में पुलिस ने वारासिवनी पुलिस थाना में दर्ज पहले मामले में आरोपी रमेश, अजीत और विनय बिसेन और दुसरे मामले में अजय कटरे और जमील अंसारी को 24 जुलाई तक रिमांड पर लिया हैं। पुलिस को उम्मीद है कि इस मामले में आरोपियों से पूछताछ में और भी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल हो सकती हैं।

लायंस क्लब भोपाल का 66वां संस्थापन समारोह में लायन संजय गुप्ता सम्मानित

भोपाल, आज लायंस क्लब भोपाल का 66वां संस्थापन समारोह होटल रेसीडेंसी में संपन्न हुआ। उपरोक्त अवसर पर लायंसक्लब इंटरनेशनल के डिस्टि क्ट चेयर पर्सन एवं पी.आर.ओ. लायनसंजय गुप्ता एडवोकेट को सम्मानित किया गया। लायंस क्लब भोपाल का 66वां संस्थापन समारोह संस्थापनअधिकारी लायन जयपाल सचदेवा द्वारा करवाया गया एवं उन्होंने लायंस क्लब के अध्यक्ष प्रकाश बच्चानी एवं सचिव मनोहर आसुदानीएवं कोषाध्यक्ष अनिल शिवहरे एवं संचालक मंडल को शपथ दिलवाई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पास्ट मल्टीपल कौंसिल चेयर पर्स रलायन डॉ. परमानंद राजानी थे। संस्थापन समारोह में पूर्व अध्यक्ष लायन लक्ष्मणदास मंघानीद्वारा भी उपस्थित थे एवं उन्होंने नये अध्यक्ष को पद गृहण करवाया। उपरोक्त संस्थापन समारोह में मुख्य रूप से हरीओम जडिया,रवि सक्सेना, डॉ. पी.सी.कोठारी, अनिल बाखरू, आइ.ए.एस राजेश शर्मा एवं रीजनल चेयर पर्सन नरेन्द्र जग्गी इत्यादि उपस्थित थे।

भारत में तेजी से बढ़ रही है फोल्डेबल स्मार्टफोन की मांग : टीएम रोह

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत दुनिया के सबसे बड़े स्मार्टफोन बाजारों में से एक है और सैमसंग के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है। यह कहना है दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनी सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के एक सीनियर एक्जीक्यूटिव का। भारत में बिकने वाले लगभग 80 प्रतिशत स्मार्टफोन की कीमत 30,000 रुपये से कम है, लेकिन अब पहले से ज्यादा उपभोक्ता प्रीमियम स्मार्टफोन खरीद रहे हैं, जिससे फोल्डेबल जैसे खास प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ रही है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के मोबाइल एक्सपीरियंस बिजनेस के प्रेसिडेंट और हेड टीएम रोह ने कहा, भारतीय बाजार उन बाजारों में से एक है जहां फोल्डेबल फोन्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसमें सबसे ज्यादा खास गैलेक्सी फोल्डेबल्स हैं। हमें उम्मीद है कि इस साल बाजार में मांग बढ़ेगी और भारतीय ग्राहक गैलेक्सी एआई के साथ नए गैलेक्सी जेडफ्लिप6 और गैलेक्सीजेडजेड फोल्ड6 को अपनाएंगे जिन्हें फोल्डेबल स्मार्टफोन पसंद करने वालों के लिए बनाया गया है। टीएम रोह ने कहा कि सैमसंग बड़े पैमाने पर मोबाइल एआई को आम लोगों तक पहुंचा रहा है और साल के अंत तक 200 मिलियन गैलेक्सी डिवाइस में गैलेक्सी एआई को इस्तेमाल करने की योजना पर काम कर रहा है।

टाटा मोटर्स ने भारत की पहली एसयूवी कूपे टाटा कर्व को लॉन्च करते हुये मिड-एसयूवी कैटेगरी को नई परिभाषा दी

मुंबई, एजेंसी। एसयूवी डिज़ाइन में एक नए युग की शुरुआत करते हुए, भारत की अग्रणी ऑटोमोटिव निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने आज टाटा कर्व आईसीई और ईवी को लॉन्च किया। दमदार सिद्धांत, रूप और कार्यकुशलता की सोच पर आधारित कर्व भारत की पहली एसयूवी कूपे है। नए जमाने की एसयूवी टाइपोलॉजी को प्रदर्शित करते हुए, कर्व में एक एसयूवी की मजबूती और उपयोगिता के साथ कूपे की खूबसूरती और स्पोर्टी पहचान का कलात्मक रूप से संयोजन किया गया है। 7 अगस्त को लॉन्च होने वाली, ऑल-न्यू कर्व टाटा मोटर्स की मजबूत मल्टी-पावरट्रेन रणनीति पर आधारित होगी। यह सबसे पहले अपने ईवी वर्जन में उपलब्ध होगी, जिसके बाद जल्द ही इसका आईसीई वर्जन भी आएगा।

अनावरण पर टिप्पणी करते हुए, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, टाटा मोटर्स ने भारतीय एसयूवी सेक्टर में अग्रणी भूमिका निभाई है। इसके अलावा, हमने अनूठे डिजाइनों के माध्यम से बार-बार इस इस कैटेगरी में खलबली मचाई है। इस सेगमेंट के हमारे वाहन सड़क पर शानदार उपस्थिति के साथ-साथ मजबूत कार्यक्षमता के लिए जाने जाते हैं। ओरिजनल सिएरा, सफारी, नेक्सन, पंच और हैरियर एसयूवी में इस डिजाइन आधारित मार्केट लीडरशिप के प्रमाण हैं। इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए और अपने एसयूवी पोर्टफोलियो को और मजबूत करने के लिए, हमने एक बार फिर से टाटा कर्व के रूप में भारत की पहली एसयूवी कूपे पेश करके उत्साह और आकांक्षाओं से भरी मिड एसयूवी कैटेगरी में गतिरोध को तोड़ा है। यह भारत की पहली परिवर्तनकारी डिजाइन वाली एसयूवी कूपे है जिसने प्रीमियम कैटेगरी में कूपे बॉडी स्टाइल को लोकप्रिय बनाया है। यह अपने सेगमेंट में सबसे बेहतर प्रदर्शन के साथ सबसे ज्यादा उपयोगिता प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। इसके अलावा, कर्व हमारी मल्टी पावरट्रेन रणनीति में सबसे आगे है, जिसमें पेट्रोल, डीजल और इलेक्ट्रिक पावरट्रेन के विकल्प हैं। कर्व के साथ हम मिड एसयूवी ग्राहकों की कई तरह की ज़रूरतों को पूरा करेंगे, उन्हें एक नया और शानदार डिज़ाइन वाला उत्पाद प्रदान करेंगे जो प्रीमियम प्रदर्शन से भरपूर होगा।

कर्व आकर्षक डिजाइन, जबदस्त उपयोगिता और शानदार प्रदर्शन का एक आदर्श मिश्रण है। कर्व की एसयूवी कूपे बॉडी स्टाइल, मिड-एसयूवी बाजार में आम पारंपरिक बॉक्सी डिजाइन के बिल्कुल विपरीत है। यह कॉन्सेप्ट शो कार में प्रदर्शित मजबूत एयरोडायनामिक थीम को आगे बढ़ाती है, जो इसके मजबूत कैरेक्टर को सामने से उभारते हुए पूरे वाहन तक ले जाती है। रेज्ड राइड हाइट, मजबूत क्लैडिंग और गतिशील अनुपात इसके आकर्षण को और बढ़ा देते हैं। कर्व की तेज ढलान वाली छत इसे हवा के प्रतिरोध को कुशलतापूर्वक काटने की सुविधा देती है। जबकि इसके बड़े पहिये, ऊंचाई, डिपार्चर एंगल और बढ़ी हुई ग्राउंड क्लीयरेंस इसे स्थिरता और संतुलन प्रदान करते हैं। एसयूवी कूपे दो नए रंगों- ष्ह्वह्ल11.द्व1 में वर्चुअल सनराइज और कर्व आईसीई में गोल्ड एसेंस में पेश की जाएगी।

इंडियन ऑयल ने कैदियों और किशोर अपराधियों के लिए अपनी अग्रणी पहल का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। कैदियों और किशोर अपराधियों के जीवन को बेहतर बनाने के अपने निरंतर प्रयास में, इंडियनऑयल के अध्यक्ष श्री श्रीकांत माधव वैद्य ने आज इंडियनऑयल की परिवर्तन - प्रिज़न टू प्राइड के आठवें चरण और नई दिशा - स्माइल फॉर जुवेनाइल के पांचवें चरण का शुभारंभ किया। इस चरण में इंडियनऑयल 22 जेलों और किशोर गृहों में 1000 से अधिक व्यक्तियों के जीवन को स्पर्श करेगा। इस शुरुआत के साथ, इंडियनऑयल 23 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों में 15 महिला किशोर केंद्रों सहित 150 संस्थानों में 7300 से अधिक कैदियों और किशोर अपराधियों के जीवन को बदलने के लिए तैयार है, जिसमें खेल प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान किए जाएंगे।इस अवसर पर इंडियन ऑयल के अध्यक्ष ने कहा, मुझे गर्व है कि इंडियनऑयल कॉरपोरेट्स के बीच अग्रणी आवाज है और कैदियों के लिए आशा की किरण के रूप में खड़ा है। परिवर्तन और नई दिशा के माध्यम से हम खेलों का लाभ उठाकर कैदियों और किशोर अपराधियों को जीवन में एक नया रास्ता अपनाने का दूसरा मौका प्रदान कर रहे हैं। श्री वैद्य ने आगे इस बात पर प्रकाश डाला कि ये प्रयास इंडियनऑयल के राष्ट्र प्रथम के मूल मूल्य को दर्शाते हैं, जो व्यापार से परे समाज के सबसे वंचित और कमजोर वर्गों के जीवन को छूने तक फैला हुआ है।

पोस्ट ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम की पहली बैच का समापन समारोह

रायपुर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (आइआइएम रायपुर), जो एक शीर्ष रैंकिंग वाला बिजनेस स्कूल है, ने डिजिटल हेल्थ प्रोफेशनल की पहली पोस्ट-ग्रेजुएट सर्टिफिकेट प्रोग्राम के स्नातक समारोह का आयोजन किया। इस समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजीव सिंह रघुवंशी, ड्रग्स कंट्रोलर जनरल (भारत) थे। इस कोर्स को आइआइएम रायपुर और डिजिटल हेल्थ साइंसेज अकादमी ने संयुक्त रूप से पेश किया था। आइआइएम रायपुर के निदेशक प्रो. राम कुमार ककानी ने सभी स्नातक छात्रों का स्वागत किया।्ठ॥स्के संस्थापक डॉ. राजेंद्र प्रताप गुप्ता ने छात्रों और शिक्षकों को सम्मानित किया। एडीएचएस के साथ साझेदारी में, आइआइएम रायपुर ने स्वास्थ्य नवाचार नीति और डिजिटल हेल्थ के लिए एक केंद्र स्थापित किया है। इस पहल का उद्देश्य क्षमता निर्माण, नवाचार और नीति विकास के माध्यम से भारत को डिजिटल हेल्थ में एक अग्रणी देश के रूप में स्थापित करना है। कुल 41 छात्रों ने 20 जुलाई 2024 को स्नातक किया, जिनमें से 12 महिलाएं और 29 पुरुष हैं। डॉ. आशीष कुमार गुप्ता को सर्वोच्च अंक के लिए निदेशक प्रमाणपत्र प्राप्त हुआ। ये छात्र स्वास्थ्य क्षेत्र में विभिन्न पेशेवर पृष्ठभूमियों से आते हैं, जिनमें वरिष्ठ डॉक्टर, सर्जन, दंत चिकित्सक, फिजियोथेरेपिस्ट, नर्स, फार्मास्युटिकल, मेड-टेक और डिजिटल हेल्थ क्षेत्रों के वरिष्ठ पेशेवर, सरकारी अधिकारी और वरिष्ठ अकादमिक शामिल हैं, जिनके पास औसतन 20 वर्षों का कार्य अनुभव है।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी।आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए अपने त्रैमासिक परिणाम जारी किए। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए बैंक का शुद्ध लाभ साल-दर-साल 40 प्रतिशतवृद्धि करते हुए 1,719 करोड़ रहा। ऑपरेटिंग लाभ 2,076 करोड़ रहा। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में 4.18 प्रतिशतका शुद्ध ब्याज मार्जिन दर्ज हुआ और वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध ब्याज आय 3,233 करोड़ रही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 3,998 करोड़ थी। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में जमा की लागत 4.58 प्रतिशतरही, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 4.12 प्रतिशतथी। सीआरएआर साल-दर-साल 209 बीपीएस की वृद्धि करते हुए 22.42 प्रतिशतपर पहुँच गया। एसेट्स पर रिटर्न साल-दर-साल 34 बीपीएस की वृद्धि के साथ 1.83 प्रतिशतरहा, तथा ईक्विटी पर रिटर्न साल-दर-साल 123 बीपीएस बढ़ते हुए 19.87 प्रतिशतपर पहुँच गया। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में शुद्ध एनपीए 30 जून 2023 को 0.44 प्रतिशत से घटकर 0.23 प्रतिशतरह गया और सकल एनपीए 30 जून 2023 को 5.05 प्रतिशतसे कम होकर 3.87 प्रतिशत पर आ गया।

स्टार प्लस के शो दिल को तुमसे प्यार हुआ की दीपिका उर्फ अदिति त्रिपाठी ने कहा

प्रोमो के लिए सीक्वेंस को करते समय, मैंने महसूस किया दीपिका का दर्द और पीड़ा

स्टार प्लस ने अपने नए शो, दिल को तुमसे प्यार हुआ के साथ एक नई दुनिया में कदम रखा है। इस शो में बतौर लीड अदिति त्रिपाठी (दीपिका) और अक्षित सुखीजा (चिराग) हैं। राजस्थान के बैकड्राप पर सेट दिल को तुमसे प्यार हुआ दीपिका चिराग की कहानी है। यह कहानी उनकी जिंदगी के इर्दगिर्द बनी हुई है, जिसमें उन्हें एक दूसरे से प्यार हो जाता है। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या उनकी यह प्रेम कहानी समाज और परिवार को मंजूर होगी?

मेकर्स ने शो का एक दिलचस्प प्रोमो जारी किया है। इसमें दीपिका के भावनात्मक संघर्ष और उसके जीवन में आई चुनौतियों को दिखाया गया है। यह भी बताया गया है कि उसके घर में उसे किस तरह की परेशानियां सहनी पड़ती हैं, जहां उसकी सौतेली मां और सौतेली बहन के साथ बुरा बर्ताव करती हैं। इसी दौरान चिराग की मुलाकात दीपिका से एक रक्तदान शिविर में होती है और वह उसके अच्छे स्वभाव से इंप्रेस हो जाता है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि दीपिका और चिराग के जिंदगी कैसा मोड़ लेती है।

स्टार प्लस के शो दिल को तुमसे प्यार हुआ की दीपिका उर्फ ??अदिति त्रिपाठी कहती हैं, ÷यह बिल्कुल खूबसूरत और दिल को छू लेने वाला प्रोमो है जो दीपिका के दर्द और परेशानियों को दिखाता है। उसकी सौतेली माँ की बद्दुआओं का सामना करके भी, वो हर निशान के साथ मज़बूती से उभर आती है। इस सीक्वेंस को परफॉर्म करते वक्त मैं दीपिका के दर्द और दुख को मेहसूस कर सकती थी। दर्शकों को दीपिका की जिंदगी के दो पहलू देखने को मिलेंगे, एक अंधेरे से भरा हुआ और दूसरा जहां चिराग अपने प्यार और स्नेह से उसमें उजाला भर देता है। इस लव स्टोरी के लिए हमारे साथ बने रहिए!÷

नया शो %दिल को तुमसे प्यार हुआ% 15 जुलाई को शाम 7 बजे स्टार प्लस पर प्रसारित होगा।

स्टूडियो ग्रीन की कंगुवा में सूर्या के नजर आएंगे तीन अवतार

मेकर्स ने उत्साह बढ़ाने के लिए किया 23 जुलाई को फायर सॉन्ग लॉन्च का एलान!

स्टूडियो ग्रीन द्वारा प्रोड्यूस फिल्म ÷कंगुवा÷ का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। शिवा द्वारा डायरेक्ट की गई इस फिल्म में सुपरस्टार सूर्या बिल्कुल नए अवतार में हैं। मेकर्स ने पोस्टर्स के जरिए ऑडियंस के सामने सूर्या के रोमांचक बदलावों को दिखा कर उन्हें थ्रिल कर दिया है। हालाँकि, ये सिर्फ़ कुछ लुक हैं जिसमें सुपरस्टार फ़िल्म में दिखाई देंगे; ऐसे में ऑडियंस उन्हें तीन अलग-अलग अवतारों में देखने की उम्मीद कर सकते हैं। इसके अलावा मेकर्स ने एक नया पोस्टर शेयर किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म के गाने फायर की घोषणा की है, जो इस मंगलवार यानी 23 जुलाई को रिलीज होने वाला है।

अब तक हमने ÷कंगुवा÷ में सूर्या के इंटेंस और थ्रिल करने वाली झलक देखी हैं, लेकिन उनके अलग-अलग लुक के साथ आगे और भी सरप्राईज आने बाकी हैं। इस फ़िल्म में सुपरस्टार के तीन अलग-अलग रोल्स होंगे, जिनमें उन्हें देखन कमाल का अनुभव होने वाला है। फ़िल्म के बड़े स्केल और सूर्या के वर्सेटाइल परफॉर्मेंस के वादे की वजह से इस फ़िल्म के लिए ऑडियंस की उत्सुकता अपने चरम पर है। इन सब के बीच प्रोडक्शन से जुड़े एक नजदीकी सूत्र ने बताया है, ÷सूर्या कंगुवा में तीन अलग-अलग लुक में नजर आएंगे। फिल्म में अपनी भूमिका के लिए एक्टर ने काफी बदलाव किए हैं। हर एक किरदार का लुक अलग होगा, जो पहले कभी नहीं देखा गया है और यह फिल्म की कहानी में एक अलग तरह का रोमांच लाएगा।÷

दूसरी तरफ फिल्म को लेकर हर दिन बढ़ रहे उत्साह में और तेजी लाने के लिए मेकर्स ने , 23 जुलाई को लॉन्च किए जाने वाले ÷फायर÷ सॉन्ग की रिलीज की घोषणा करने के लिए एक रोमांचक नया पोस्टर रिलीज किया है। इसे शेयर करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है-

%कंगुवा% इस साल की सबसे बड़ी और सबसे महंगी फिल्म है। 350 करोड़ से ज़्यादा के अनुमानित बजट के साथ यह %पुष्पा%, %सिंघम% और कई दूसरी बड़ी फिल्मों से भी बड़ी है। फिल्म की शूटिंग अलग अलग कॉन्टिनेंट्स के 7 अलग देशों में की गई है। मेकर्स के दिमाग में फिल्म के लिए एक अपनी तरह का लुक है, क्योंकि यह प्रीहिस्टोरिक पीरियड को दिखाने वाली अनोखी फिल्म है। मेकर्स ने टेक्निकल डिपार्टमेंट जैसे एक्शन और सिनेमेटोग्राफी के लिए हॉलीवुड एक्सपर्ट्स को हायर किया है। फिल्म में कुल 10 हजार लोगों से ज्यादा के साथ शूट किया गया, सबसे बड़ा वॉर सीक्वेंस भी है।

इतना ही नहीं, स्टूडियो ग्रीन ने टॉप डिस्ट्रीब्यूशन हाउसेज के साथ हाथ मिलाया है, ताकि फिल्म को बड़े लेवल पर दुनिया भर में रिलीज किया जा सके। फिल्म को 10 अक्टूबर 2024 को रिलीज करने की तैयारी है।

बजट में सीनियर सीटीजन को मिलेगी रियायत

छिंदवाड़ा। मोदी सरकार से सीनियर सीटिजन नाराज है, रेल्वे ने सीनियर सीटीजन को रियायत देना बन्द कर दिया था। सीनियर सीटिजन को उम्मीद है कि इस बजट में उन्हे रियायत मिलेगी जिससे वे तीर्थ यात्रा कर सकेंगे। इसी तरह अधिमान्य पत्रकारों को भी सुविधायें प्रारम्भ की जानी चाहिये।

ईशान श्रीवास अधिवक्ता को मिली डबल स्पेशलाइजेशन एल एल एम की उपाधि

छिंदवाड़ा। धर्मशास्त्र नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जबलपुर द्वारा आयोजित प्रथम दीक्षांत समारोह में माननीय सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीश महोदय जस्टिस जितेंद्र कुमार माहेश्वरी एवं जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा एवं विशेष अतिथि न्यायमूर्ति राजेंद्र मेनन (दिल्ली उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और सशस्त्र बल न्यायाधिकरण के अध्यक्ष) की उपस्थिति में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश और विश्वविद्यालय के कुलपति न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा के हाथों अधिवक्ता ईशान श्रीवास को स्स्ड ड्यूल स्पेशलाइजेशन इन कॉन्स्टिटूशनल एंड क्रिमिनल लॉ की उपाधि प्रदान की गयी उल्लेखनीय है की शासकीय कन्या शिक्षा परिसर के पूर्व व्याख्याता एवं साहित्यकार नेमीचंद व्योम एवं स्कूल शिक्षा विभाग की पूर्व शिक्षिका श्रीमती शशिकला श्रीवास के सुपुत्र ईशान पहले भी नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी मुंबई से फॉरेंसिक साइंस एंड क्राइम इन्वेस्टीगेशन विषय में एवं एल एल.एम. हैदराबाद से साइबर लॉ विषय में स्पेशलाइजेशन प्राप्त कर चुके हैं, उनकी सफलता ने छिंदवाड़ा जिले को विधि क्षेत्र में गौरवान्वित किया है इस हेतु सभी मित्रों परिचितों और आत्मीयजनो ने शुभकामनाये और बधाइयां दी हैं ।

आर्ट ऑफ लिविंग संस्था ने मनाया गुरु पूर्णिमा महोत्सव

छिंदवाड़ा। जॉन और डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मनीष शर्मा और श्वेता चड्ढा ने बताया कि पंजाब लॉन में गुरु पूर्णिमा के अवसर पर पूज्य गुरू श्री श्री रविषंकर जी के छायाचित्र पर पूजा, अर्चना के पष्चात पुणे से आए सिंगर श्री मनस्वी शर्मा और सहयोगी तुषार गुप्ता जी के द्वारा सत्संग किया जिससे लोग झूम उठे, उन्होनें संदेश दिया कि जिसके पास गुरुदेव होते हैं उन्हे जीवन में चिंता की कोई आवश्यकता ही नहीं है बस श्रद्धा के साथ चलो । इस कार्यक्रम में 300 से अधिक साधक उपस्थित थे । इस कार्यक्रम को सफल बनाने में मनीष शर्मा, श्वेता चढ़ा, लवली चड्ढा, दीप्ति शर्मा, नंदकिशोर तिवारी, बृजेश, काली पवार, श्रीराम सोनी, सुरेश पवार,अक्षय मोहबे सहित समस्त टीचर्स और वालेंटियर एवं रमेश मिगलानी का विशेष सहयोग रहा ।

नगरपालिका पीआईसी का हुआ पुनर्गठन

अमरवाड़ा। नगरपालिका परिषद अमरवाड़ा की प्रेसिडेंट एंड काउंसिल का पुनर्गठन सांसद विवेक बंटी साहू, विधायक राजा कमलेश शाह, भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव की सहमति से नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी द्वारा किया गया। पुनर्गठित पीआईसी में - श्रीमती कल्पना साहू को लोक निर्माण विभाग सभापति, विनोद साहू इंडिया को जल कार्य विभाग सभापति, आरिफ शाह* को राजस्व,वित्त एवं लेखा विभाग सभापति, श्रीमती संजू सूर्यवंशी को सामान्य प्रशासन एवं विधि विभाग सभापति,श्रीमती नीतू पटेल को स्वास्थ्य योजना,यातायात विभाग सभापति, अर्पित श्रीवास्तव को शहरी गरीबी उपशमन विभाग, राजकुमार बरकड़े को स्वच्छता, महिला एवं बाल विकास विभाग सभापति नियुक्त किया गया है।

मूसलाधार बारिश से पुलिया की रिटर्निंगबाल बही घरों में घुसा पानी

छिंदवाड़ा। तामिया में मूसलाधार बारिश से जहां लोगों के घरों में पानी घूस गया लोग पानी निकालते नजर आये वहीं पीडब्ल्यूडी विभाग के लापरवाही भी नजर आई पानी निकासी नहीं होने से गंदा पानी पीडब्ल्यूडी विभाग के कुआ में भर गया जो पीडब्ल्यूडी रैस्ट हाऊस में पिलाया जा रहा यहां जबकि बड़े बड़े अधिकारी,नेता मंत्री रूकते हैं यहां पदस्थ इंजीनियर कुमार की मनमानी आये दिन देखी जा रही ऐसे अधिकारी पर कब होगी कार्रवाई फिलहाल कहना मुश्किल है जुन्नारदेव रोड पर अवैध पीडब्ल्यूडी की जगह पर अतिक्रमण के चलते यहां दुघर्टना होने की आशंका बनी रहती हैपानी निकासी नहीं होने से लोगों के मकान दूकानों पर बारिश का पानी घूस गया आटा चक्की, मोटर साईकिल, सहित अन्य सभी घरों का सामान पानी में डूबा नजर आए। वहीं दूसरी ओर तामिया तहसीलदार के निवास के पास बनी नव निर्मित पुलिया की रिटर्निंगबाल बह गई है मिली जानकारी के अनुसार उक्त पुलिया का निर्माण विगत दिनों 15 लाख की लागत से किया गया था जो कि भ्रष्टचार की भेंट चढ़ गया। अमरवाड़ा के पिपरियाराजगुरु में भी बारिश का पानी घरों और मंदिर में घुस गया।

एक महिला.शिक्षिका के भरोसे धगाडिया हाईस्कूल,

मुख्यालय रहकर कर रही नौकरी

मोहखेड। एक अजीबो गरीब मामला निकलकर सामने आया है. जिसमें एक प्राचार्य अपने ही विद्यालय में बाबू और चपरासी की भी भूमिका निभा रहे हैं.जानकारी के मुताबिक यह पूरा मामला आदिवासी बाहुल्य इलाके मोहखेड़ विकासखंड शासकीय हाईस्कूल धगाडियामाल का है.जहा पर कक्षा नौवी में 25 और दसवी में 29 छात्र-छात्राएं अध्ययनरत है. इस स्कूल में पदस्थ इकलौती शिक्षिका भारती शर्मा का हैं. जिनके पास प्राचार्य के साथ साथ स्कूल के चपरासी और बाबू की जिम्मेदारी भी है.वह अपने चार साल के पुत्र व पति को नागपुर शहर से छोडकर स्वयं इस आदिवासी धगाडियामाल गांव में मुख्यालय में स्कूल के सामने किराये के मकान रहती हैं और स्कूल का ताला खोलने के पश्चात वे वहां की साफ सफाई करती हैं.चपरासी की ड्यूटी पूरी करने के पश्चात भारती शर्मा शिक्षक के रूप में नौवीं और दसवीं कक्षा के छात्र-छात्राओं को अकेले ही सभी विषय पढ़ाती हैं.

अवैध कालोनाईजर्स पर....

एफआईआर कराने दिये निर्देश

शासकीय कार्यालय 10 बजे से खुले

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह ने निर्देश दिए कि शासन द्वारा राजस्व महाभियान 2.0, स्कूल चलें हम अभियान, पौधारोपण अभियान, एक पेड़ मां के नाम अभियान, दस्तक अभियान सहित कई महत्वपूर्ण अभियान चलाए जा रहे हैं, सभी अभियानों का जिले में बेहतर क्रियान्वयन सुनिश्चित कराएं और टॉप 5 में रहने का प्रयास करें। सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण में इस माह 20 जुलाई को जारी रैंकिंग में जिले का परफॉर्मेंस संतोषजनक नहीं रहने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और जिन अधिकारियों की लापरवाही के कारण जिले की रैंकिंग में गिरावट आई है, उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने इस माह शुरुवात से ही प्रयास करने और अधिक से अधिक शिकायतों का समय पर संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि सीएम कार्यालय और सीएम निवास से प्राप्त आवेदनों और विभिन्न आयोगों से प्राप्त लंबित पत्रों पर प्राथमिकता के आधार पर कार्यवाही की जाए। एक सप्ताह के अंदर सभी लंबित पत्रों में अपेक्षित कार्यवाही करते हुए जवाब दर्ज करना सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सिंह समय सीमा प्रकरणों की समीक्षा बैठक में जिला एवं खंड स्तरीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे थे। यह बैठक कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई थी, जिसमें सीईओ जिला पंचायत पार्थ जैसवाल, अपर कलेक्टर के.सी.बोपचे, एसडीएम छिंदवाड़ा सुधीर जैन, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती ज्योति ठाकुर, अतिरिक्त सीईओ जिला पंचायत पी.राजौरिया व नगर पालिक निगम के आयुक्त सी.पी.राय सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी एवं जिला मुख्यालय के अधिकारी कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में उपस्थित थे, जबकि अन्य सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत, सीएमओ सहित सभी खंड स्तरीय अधिकारी वीसी के माध्यम से बैठक में शामिल हुए। बैठक में विभिन्न अंतर्विभागीय समन्वय से जुड़े विषयों पर भी चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। समय सीमा प्रकरणों की विभागवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि कार्यालय प्रमुख सभी शासकीय कार्यालय प्रातः 10 बजे खुलना सुनिश्चित कराएं। सभी अधिकारी जिन्हें स्कूल चले हम अभियान के तहत स्कूल आवंटित किए गए हैं, इस सप्ताह स्कूल का निरीक्षण कर अगली टीएल बैठक तक निर्धारित प्रारूप में प्रतिवेदन भेजना सुनिश्चित करें। नगर पालिक निगम के आयुक्त अवैध कॉलोनाइजर्स पर एफ.आई.आर. कराएं। यदि किसी थाना प्रभारी द्वारा एफ.आई.आर.दर्ज करने में हीलाहवाली की जा रही है तो संज्ञान में लाएं, जिससे यह प्रकरण पुलिस अधिक्षक के संज्ञान में लाया जा सके। अवैध कॉलोनाइजर्स को किसी भी तरह का बढ़ावा दिया जाना बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पौधारोपण अभियान की समीक्षा करते हुए उन्हें सभी विभागों से दिए गए लक्ष्य के अनुरूप अभी तक हुए पौधरोपण की जानकारी प्राप्त की और गति के साथ शत-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ति के निर्देश दिए। साथ ही पौधरोपण की जानकारी ऑनलाइन व गूगल शीट में भी प्रविष्ट करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व अधिकारी राजस्व वसूली पर ध्यान दें। सभी अधिकारी जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों के निराकरण पर भी ध्यान दें। फील्ड मशीनरी के ठीक से काम नहीं करने के कारण ही जिला स्तर पर शिकायतें आती हैं, फील्ड अमले की नियमित मॉनिटरिंग करते रहें और प्राथमिकता देते हुए शिकायतों का निराकरण कराएं। विगत दिवस मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के अमरवाड़ा में आयोजित भ्रमण कार्यक्रम के दौरान ग्राम पंचायत छुई के एक आवेदक द्वारा जाति प्रमाण पत्र के लिए ई-केवायसी कराने हेतु दिया गया आवेदन ग्राम पंचायत सचिव द्वारा फाड़ दिए जाने की शिकायत सामने आई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने ग्राम पंचायत छुई के सचिव को निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। सीईओ जनपद पंचायत अमरवाड़ा द्वारा तत्काल निलंबन प्रस्ताव बनाकर जिला स्तर पर प्रेषित कर दिया गया है।

विद्यार्थियों के लिए हिंदी में उपलब्ध हुई नीट और जे.ई.ई. की पुस्तकें

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में नवाचार करते हुए जिले के शासकीय स्कूलों के विद्यार्थियों को निःशुल्क जेईई-नीट की तैयारी के लिए सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों में प्रतिदिन एक पीरियड कक्षा का संचालन किया जा रहा है। ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान भी सभी ब्लॉक मुख्यालयों पर इन कक्षाओं का संचालन किया जा रहा था। जेईई-नीट की तैयारी के लिए अधिकांश स्टडी मटेरियल अंग्रेजी में उपलब्ध है, इस संबंध में हिंदी माध्यम के विद्यार्थियों की परेशानी को समझते हुए कलेक्टर श्री सिंह ने एलन (द्यद्यद्गठ्ठ) कोचिंग संस्थान से समन्वय कर इन विद्यार्थियों के लिए हिंदी में जेईई-नीट परीक्षाओं की तैयारी के लिए पुस्तकें मंगवाई हैं। आज समय सीमा की बैठक के दौरान उन्होंने इन पुस्तकों के कुछ सेट जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.एस.बघेल और उत्कृष्ट विद्यालय छिंदवाड़ा के प्राचार्य को प्रदाय किए। उन्होंने ये पुस्तकें विद्यालय की लाइब्रेरी में रखने के निर्देश दिए हैं। इच्छुक विद्यार्थी विद्यालय की लाइब्रेरी में ये पुस्तकें पढ़ सकेंगे। क्रमशः सभी हायर सेकेंडरी स्कूलों के लिए ये पुस्तकें बुलवाई जा रही हैं। पुस्तक वितरण के दौरान सीईओ जिला पंचायत पार्थ जैसवाल और एसडीएम छिंदवाड़ा सुधीर जैन सहित सभी जिला अधिकारी उपस्थित थे।

उज्जैन के बाद छिंदवाड़ा शिव मंदिर में होती है भस्म आरती

छिंदवाड़ा। आज से पावन पर्व सावन या श्रावण की शुरूआत हो गई है। महादेव के भक्तों में भी काफी खुशी की लहर है। इसके अलावा कांवड़ यात्रा की भी शुरूआत हो गई है। सावन में सोमवार का दिन काफी शुभ माना जाता है। इस दिन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ लगी होती है। वैसे तो पूरे महीने भर शिव पूजन का महत्व होता है लेकिन सोमवार का दिन काफी खास बताया गया है। भोलेनाथ को मनाने के लिए सावन का महीना बहुत अच्छा माना जाता है। जो भी भक्त इस महीने में जिस इच्छा से पूजन भजन करता है, भगवान शिव उसकी मनोकामना अवश्य पूरी करते हैं।

सावन सोमवार भक्तों का उमड़ा जन सैलाब

सावन सोमवार में भगवान शिव की आराधना करने का विशेष महत्व होता है। इसको लेकर सुबह से ही भक्तों की भीड़ मंदिरों में भगवान शिव-पार्वती की आराधना करने के लिए उमड़ रही है। इस दिन भक्तों द्वारा उपवास रहकर भगवान शिव की आराधना करते हैं। पुष्प और बेलपत्र चढ़ाकर भूतभावन भोलेनाथ को मनाया जा रहा है। साथ ही (स्ड्ड2ड्ढ्ठ स्थ्द्ब2ड्ढ्ह 2024) दूध से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है। लोग इस महीने आस्था में डूबे रहते हैं। पूजा की शुरुआत ब्रम्हमुहूर्त में उठकर ही हो जाती है। साथ ही कई भक्त अपने घर पर भी मिट्टी के शिवलिंग बनाकर पूजन करते हैं।

सावन सोमवार का यह होता है विशेष महत्व

सावन को देवाधिदेव महादेव का महीना कहा जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार, भगवान शिव ने सनत्कुमार को कहा कि मुझे सावन माह अतिप्रिय है। इस महीने की हर तिथि व्रत और पर्व के समान है। जब सनत्कुमार ने शिवजी से सावन के प्रिय होने कारण पूछा तो उन्होंने कहा, पार्वती ने हर जन्म में महादेव को पति के रूप में पाने का प्रण किया था। इसलिए यह काफी खास माना जाता है। आज के दिन से मंदिरों में काफी भीड़ होने लगती है। भक्तगण व्रत-उपवास रखकर इस दिन से आराधना स्टार्ट करते हैं। वहीं, आध्यात्मिक साधना के लिए भी यह पूरा महीना काफी खास होता है। इस सावन के महीने में ऊर्जा का ऊर्ध्वगमन होता है, इसलिए साधकों के लिए यह मास काफी अच्छा माना जाता है।

पेसा जिला समन्वयक ने 21 ग्राम के ग्रामसभा अध्यक्षों को बताये उनके अधिकार

छिन्दवाड़ा। जिले के विकासखंड बिछुआ की ग्राम पंचायत कपूरखेड़ा के ग्राम गड़िया में सामाजिक कार्यक्रम के आयोजन में 21 ग्राम के ग्रामसभा अध्यक्षों को मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत छिंदवाड़ा के पेसा जिला समन्वयक श्री कमलेश टेकाम ने पेसा एक्ट, पेसा से संबंधित जल, जंगल, जमीन और उनके अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उन्होंने सदियों से चली आ रही रूढ़िवादी प्रथा और सांस्कृतिक परंपरा, पेसा कानून लागू होने से ग्रामों में विशेष ग्रामसभा का गठन, ग्रामसभा की शक्तियां, गांव की नदियां, भूमि प्रबंधन, खनिज, मादक पदार्थों पर पाबंदी, श्रम शक्ति की योजना, गांव में वनोपज, महिला बाल विकास योजना एवं आदिवासी परंपरा को बनाए रखने की जानकारी देते हुये ग्रामीणों को जागरूक किया। ब्लॉक समन्वयक श्री प्रदीप भलावी ने भी तेंदुपत्ता संग्रहण के लिये ग्रामसभा को सशक्त बनाने के लिये ग्राम सभा के सदस्यों को हर बार ग्राम सभा में उपस्थित रहने का आग्रह किया व मादक पदार्थों के नियंत्रण के लिये प्रस्ताव पारित करने की बात कही। ग्राम पंचायत कपुरखेड़ा के ग्राम गड़िया में आयोजित इस ग्रामसभा में पूर्व पेसा एक्ट अध्यक्ष श्री इंद्रलाल धुर्वे, पेसा मोबिलाइजर श्री गरीश आतराम, जनपद अध्यक्ष श्रीमती महावती भलावी, श्री सतीश भलावी एवं पेसा एक्ट ग्राम सभा अध्यक्ष एवं सभी पेसा मोबिलाइजर्स का भरपूर सहयोग रहा व इस कार्यक्रम को सफल बनाने में ग्रामवासियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।

प्राथमिक शिक्षक को अंतिम कारण बताओ सूचना पत्र जारी

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग छिंदवाडा श्री सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा प्राथमिक शाला अमराईढाना के प्राथमिक शिक्षक श्री रामकुमार चौरे को अंतिम कारण बताओ सूचना पत्र जारी करते हुये स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिये हैं । सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्री मरकाम ने बताया कि प्राथमिक शाला अमराईढाना के प्राथमिक शिक्षक श्री रामकुमार चौरे को 11 दिसंबर 2023 को निलंबित कर 19 जनवरी 2024 को आरोप पत्र आदि देकर उत्तर चाहा गया। प्राथमिक शिक्षक श्री चौरे द्वारा आरोप पत्र का उत्तर दिनांक तक प्रस्तुत नहीं करने के कारण उनके विरूध्द विभागीय जांच करने का निर्णय लिया गया व जांच अधिकारी एवं प्रस्तुत अभिकर्ता अधिकारी नियुक्त किये गये । विभागीय जांचकर्ता अधिकारी द्वारा 6 मई 2024 को जांच प्रतिवेदन प्रस्तुत कर आरोप पूर्णतः सत्य होना प्रतिवेदित किया गया है।

प्रवेश प्रक्रिया में अधिक बच्चों को प्रवेश देने की मांग

पी.एम.एक्सीलेंस कॉलेज छिंदवाड़ा में दिया गया ज्ञापन

छिंदवाड़ा। पी.एम.एक्सीलेंस कॉलेज छिंदवाड़ा में छात्रनेता अर्पित तिवारी के नेतृत्व में छात्र/छात्राओं ने प्रभारी प्राचार्य को ज्ञापन देकर छात्रों की मुख्य समस्याओं का निराकरण करवाने के लिए संगठनात्मक रूप से बात रखी। कॉलेज में लगातार परीक्षा समय सारणी में बदलाव किया गया, एक-दो बार ही नहीं बल्कि चार-पांच बार बदलवाव किया गया। जिससे छात्रों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा, इस कारण कुछ छात्रों के समय सारणी में बदलाव होने के कारण पेपर देने से वंचित हो गये है। और प्रभारी प्राचार्य द्वारा छात्र नेता के कहने पर तत्काल काउंटर को खुलवाया गया। जो कि विगत दिनों जब से कॉलेज में परीक्षा प्रारंभ हुई है, तब से लगातार काउंटर बंद रहता था। छात्रों की परेशानी का निराकरण करवाते हुए तत्काल काउंटर खुलवाया गया। छात्र नेता के द्वारा प्राभारी प्राचार्य से प्रवेश सीट को बढ़ाने के साथ-साथ प्रवेश प्रक्रिया में अधिक बच्चों को प्रवेश दिया जायें। ताकि उन्हें लगातार आने वाली वेटिंग लिस्ट का इंतजार न करना पड़ें। ज्ञापन देते समय सुभासु धुर्वे, शिवनारायण वर्मा, अमन उईके, प्रद्युम चन्द्रवंशी, अमन कुरचे, सुशील परतेती, अंजीत आम्रवंशी, आवजीत युवनाती, मेघा सोनकर के साथ अन्य सभी अन्य छात्र/छात्रा मुख्य रूप से उपस्थित थें।

लोकसभा चुनाव जिताने में कमलेश शाह की अहम भूमिका

कमलेश शाह को प्रदेश में मंत्री बनाया जाना चाहिये
गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। कांग्रेस छोड़कर भाजपा में कमलेश शाह उपचुनाव जीत गये वे भाजपा में क्यों आये यह सबको मालूम है, कमलेश शाह ने जोखिम ली और कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा में आने की जोखिम उठाई। वे छिंदवाड़ा, पांढुर्ना जिले के एक मात्र भाजपा के विधायक है इसीलिए उन्हें मंत्री बनाया जाना चाहिये, उन्होने कांग्रेस से भाजपा में आने पर माहौल बनाया और कांग्रेस में झड़ी लग गई।

कमलनाथ जब पावर में थे तो छिंदवाड़ा जिले से कोई न कोई मंत्री हुआ करता था 2003 से 2008 तक चन्द्रभान मंत्री थे, 2013 में नानामाहोड़ मंत्री बने थे, 2018 एवं 23 में भाजपा से कोई विधायक नही बना।

2018 में कमलनाथ मुख्यमंत्री बने किन्तु उनकी सरकार डेढ साल ही चली, 2018 एवं 23 में भाजपा का कोई विधायक नहीं बना। उपचुनाव कमलेश शाह भाजपा के विधायक बने है पहली बार लोकसभा भाजपा ने जीती है। केन्द्र सरकार को चाहिये था कि सांसद विवेक साहू को मंत्री बनाये। चूकि नये है इसीलिए मंत्री नहीं बने है। वे केन्द्र में है। किन्तु कमलेश शाह को मंत्री बनाया जाना चाहिये जिससे जिले के विकास में तेजी आये। राज्य सरकार ने रामनिवास रावत मंत्री बनाया है वे अभी विधायक का चुनाव लडेंगे। किन्तु कमलेश शाह चौथी बार भी जीत कर विधायक बन गये है इसीलिए उन्हें मंत्री बनाया जाना चाहिये। लोकसभा चुनाव जीतने एवं भाजपा के पक्ष में हवा बनाने में उनकी अहम भूमिका थी।

20वें सांसद है बंटी विवेक जो छिंदवाड़ा में जन्मे लोकसभा पहुंचे

छिंदवाड़ा। 1952 से 2019 तक लोकसभा चुनाव के चुनाव छिंदवाड़ा में जन्मा कोई व्यक्ति चुनाव नहीं जीता । कांग्रेस ने पहले नागपुर से गार्गी शंकर मिश्रा और बाद में कमलनाथ को छिंदवाड़ा से लड़वाया और वे जीते 1997 के उपचुनाव में भाजपा के सुन्दरलाल पटवा सांसद बने किन्तु वे भोपाल के थे। कमलनाथ 1980, 1991, सांसद बने फिर उनकी पत्नी श्रीमती अलकानाथ 1996 में सांसद बनी फिर कमलनाथ 1998,1999, 2004, 2009, 2014, में सांसद बने 2019 में उन्होने अपने बेटे नकुलनाथ को सांसद बनवाया। 2024 में उनके बेटे नकुलनाथ,भाजपा के विवेक साहू से चुनाव हार गये। छिंदवाड़ा में जन्मा पहला व्यक्ति लोकसभा का प्रतिनिधित्व कर रहा है।

अमरवाड़ा में ब्रह्मचारी दिव्यानंद महाराज का शुरू हुआ वर्षा वास

अमरवाड़ा। धर्म नगरी अमरवाड़ा में परम पूज्य ब्रह्मचारी दिव्यानंद जी महाराज का वर्षावास के लिए मंगल कलश स्थापना श्री जिनवाणी जी अस्थाप, मंगल कलश शोभायात्रा निकाली गई जानकारी के अनुसार तारण तरण मंडलाचार्य जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य ब्रह्मचारी दिव्यानंद जी महाराज का वर्षावास सोमवार से प्रारंभ हुआ जैन मंदिर में सुबह से विविध कार्यक्रम आयोजित हुए मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण, और कलश स्थापना के साथ श्री जिनवाणी जी न्यान समुच्चय सार ग्रंथ का अस्थाप हुआ वही मंदिर मंदिर विधि संपन्न हुई इस मौके पर सभी जैन समाज के लोग महिलाएं बच्चे युवा मौजूद रहे सुबह और शाम पूज्य महाराज श्री के प्रवचन होंगे

इंद्रजीत सिंह बने खेल महासंघ के अध्यक्ष

छिंदवाड़ा। ओलंपिक स्टेडियम में दिनाँक 22 जून को सभी खेल संघों के पदाधिकारियों की विशेष बैठक के आर तिवारी जी की अध्यक्षता में आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से जिला खेल महासंघ का गठन किया गया एवं खेलों को अधिक तेजी से विकसित करने हेतु विस्वामित्र अवार्डी के आर तिवारी दादा ने खेल प्रमोटर इंद्रजीत सिंह बैस को जिला महाखेल संघ का अध्यक्ष मनोनीत किया जिसका पूरे सदन ने एक मत होकर सर्वसम्मति से समर्थन किया इसी के साथ में सर्वसम्मति से छिंदवाड़ा जिले के सांसद विवेक बंटी साहू ,भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव,खेल के भीष्म पितामह के आर तिवारी तथा महापौर विक्रम अहाँके को मुख्य संरक्षक मनोनीत किया गया । बैठक में 20 विभिन्न खेल संघों के 45 से ज्यादा पदाधिकारी एवं खेल अधिकारी ,वरिष्ठ खिलाड़ी एवं खेल प्रशिक्षक उपस्थित रहे। इस अवसर पर अनिल जैन,मुकेश सोनी, संजय सिंह ठाकुर, राजेन्द्र ठाकुर, अंकित सोलंकी, गयासुद्दीन पाशा, संदीप मालवीय, जावेद खान,विक्रांत यादव,हरीश खंडेलवाल,लतीफ खान, विक्रांत अहिरवार , उत्शाव बैरागी,तरुण विश्वकर्मा, श्रीमती किरण पॉल, श्रीमती नीलम जंघेला ,श्रेय जैन, राजेश मालवीय, शिव राव पवार,ललिता सरवैया पूजा तिवारी, देवेन्द्र वर्मा राजा बुनकर, अज़हर खान, शारिक सिद्दकी, किशोर पटेल,ब्रजेश कुमार, रविन्द्र जैसवाल, मयूर यादव, सिराज खान, राजकुमार उइके ने उपस्थित होकर मार्गदर्शन प्रदान किया तथा छिंदवाड़ा जिले में खेल गतिविधियों को ओर अधिक तेजी से विकसित करने हेतु सुझाव देकर हर सम्भव सहयोग करने की बात कही इसी अवसर पर समस्त सदन ने आगामी दिनों में सांसद विवेक बंटी साहू व भाजपा जिला अध्यक्ष शेषराव यादव का भव्य सम्मान की रूप रेखा बनाकर जिम्मेदारी सौंपी ।

देवरानी दाई जलप्रपात ट्रैकिंग....

यूथ हॉस्टल के सदस्यो ने प्रकृति का भरपूर आनंद उठाया

छिंदवाड़ा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युवाओं के लिए साहसिक गतिविधियों एवं प्रकृति प्रेम,पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित संस्था यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सतपुडा यूनिट छिंदवाड़ा द्वारा आयोजित देवरानी दाई जलप्रपात ट्रैकिंग कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में ट्रेकिंग के डायरेक्टर दीनानाथ पवार और कोडायरेक्ट मोहित सूर्यवंशी ने संस्था के उपाध्यक्ष अरविंद भट्ट के साथ प्रतिभागियों का नेतृत्व किया। संस्था के सचिव हिमांशु जयसवाल भी इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल हुए। ट्रैकिंग के लिए दल यूथ हॉस्टल के कार्यालय, ईएलसी शिवाजी चौक, छिंदवाड़ा से रवाना हुआ। संस्था के चेयरमैन प्रदीप वाल्मीकि एवं भूतपूर्व चेयरमैन/मार्गदर्शक एस एस सालोडकर ने दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने दल को विशेष सुरक्षा एवं सावधानी के साथ ट्रैकिंग के लिए शुभकामनाएं दीं। ट्रैकिंग दल सबसे पहले उमरेठ के महावीर मंदिर पहुंचा, जहां गुरु पूर्णिमा के अवसर पर सभी सदस्यों ने मंदिर में पूजा अर्चना की तथा मंदिर समिति के प्रमुख एम एल सिंह सेवानिवृत्त व्याख्याता से मंदिर के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। इसके पश्चात दल ने उमरेठ की ऐतिहासिक प्राचीन बावली का भ्रमण किया, जहां ग्राम के सरपंच मुकेश सोनी, बबलू खान और रविंद्र अहिल्या ने बावली से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां प्रदान की। ट्रैकिंग दल परासिया से होते हुए देवरानी दाई प्राकृतिक जलप्रपात पहुंचा, जहां सदस्यों ने घटामाली नदी से जलप्रपात तक ट्रैकिंग करते हुए प्रकृति के सुंदर नजारों का भरपूर आनंद लिया। दल ने देवरानी दाई मंदिर और देवरानी कुंड से जुड़ी किवदंतियों को सुना और प्राकृतिक जलप्रपात और घटामाली नदी की छटा का आनंद उठाया। यूथ हॉस्टल एसोसिएशन ऑफ इंडिया, सतपुडा यूनिट के द्वारा प्राकृतिक वातावरण में सभी सदस्यों को भोजन कराया गया, जिससे सभी ने मिलकर भोजन का आनंद लिया और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया। ट्रैकिंग में 3 साल की छोटी बच्ची तनिष्का सिंग भी शामिल रही।कार्यक्रम में विशेष रूप से शामिल सदस्य 69 वर्षीय रविंद्र चितवार, 59 अनिता चितवार, मनीष बंदेवार, आलिया हक एवं वर्षा जयसवाल की उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी विशेष बना दिया। संस्था के उपाध्यक्ष अरविंद भट्ट ने जानकारी दी है कि आगामी महा अगस्त में कुकड़ी खपा जलप्रपात ट्रैकिंग कार्यक्रम प्रस्तावित है।

एक पेड़ गुरु के नाम

एकता परिसर में बड़ पीपल और नीम त्रिवेणी पौधो का किया रोपण

छिंदवाड़ा। गुरुपूर्णिमा के पावन अवसर पर एकता परिसर छिंदवाड़ा में जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा की नवांकुर संस्था के द्वारा प्रकृति के संरक्षण एवम माटी के अस्तित्व के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत आज एक पेड़ गुरु के नाम का संकल्प लेकर नर्मदा एवम प्रकृति उपासक आचार्य रविकांत शास्त्री के सानिध्य में गुरु पूजन किया गया एवम एकादश देव वृक्ष मूर्तियों की प्रतिष्ठा की गई। आचार्य श्री रवि कांत शास्त्री जी ने बताया कि वृक्ष ही साक्षात गुरु गोविंद का स्वरूप है। हमने गुरु को ब्रम्हा कहा है ब्रम्हा अर्थात सृजन करने वाला और ये वृक्ष ही हैं जो प्राण वायु का सृजन करके जीव मात्र में प्राणों का संचार करते हैं। हमने गुरु को विष्णु कहा है विष्णु अर्थात पालन करने वाले वृक्ष ही समूचे जीव जगत ब्रह्मांड का पालन करने का सामर्थ्य रखते हैं। और हमने गुरु को शिव कहा है शिव अर्थात संहार करने वाले वृक्ष ही हैं जो विपरीत वायु का संहार करते हैं आपदा विपदा का हरण करते हैं ताप का संहार करते हैं अर्थात वृक्ष ही ब्रह्मा विष्णु और महेश हैं वृक्ष साक्षात परब्रह्म है इसीलिए कहा की वृक्ष ही गुरु गोविंद का साक्षात स्वरूप है। आचार्य जी ने कहा कि जिसमे गुरु निष्ठा है वे एक पेड़ गुरु के नाम अवश्य लगावें। पेड़ ही जीवन का आधार है। जन अभियान परिषद छिंदवाड़ा के जिला समन्वयक अखिलेश जैन ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर संपूर्ण भारत देश में एक पेड़ मां के नाम लगाया जा रहा है और इसी क्रम में छिंदवाड़ा में भी निरंतर अलग अलग स्थानों पर जाकर बी एस डबल्यू एम एस डबल्यू के विद्यार्थी, समाजसेवी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति, नगर विकास प्रस्फुटन समिति, नवांकूर संस्था के सदस्य वृक्षारोपण कर रहे हैं। पर्यावरण विद विनोद तिवारी ने गुरु पूर्णिमा के अवसर पर गुरु पूजन कर आचार्य श्री रविकांत शास्त्री जी को साल श्रीफल भेंट देकर सम्मानित किया संस्था के अध्यक्ष महेश बंदेवार ने बताया कि इस अवसर पर लता नागले, जयप्रकाश सूर्यवंशी, अशीष साहू, तृप्ति सिंह,नंदू निर्मलकर, डा सी के विश्वकर्मा ,अमित बरखानिया कामेश, अंजली विश्वकर्मा, श्रृद्धा दुबे, नीलिमा पूरी गोस्वामी, मोनिका शुक्ला, स्वाति उसरेठे, चंदना देशमुख , सपना निर्मलकर,डी पी गोस्वामी, प्रीती बंदेवार, मंजुलता विश्वकर्मा योगेन्द्र दुबे, खुशबू पटवा, सहित बड़ी संख्या में बीएसडब्ल्यू एमएसडब्ल्यू के स्टूडेंट, नवांकुर संस्था प्रस्फुटन समिति के पदाधिकारी उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर पंचायत के कार्यक्रम में बोले सीएम

कर्जा ले लेना लेकिन जमीन मत बेचना

एमपी के गांवों का माहौल बदलने वाला है

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गांव के लोगों से निवेदन है कि जमीन मत बेचना। कर्जा ले लेना लेकिन जमीन मत बेचना। बदलते दौर में एमपी की स्थिति बदलने वाली है। एमपी के गांवों का माहौल बदलेगा। खेती से जो आमदनी बढ़ेगी, उससे अब हम पंजाब और हरियाणा को पीछे छोड़ेंगे, यह मैं गारंटी ले सकता हूं। निश्चित रूप से पूरे क्षेत्र में बदलाव आने वाला है। किसान की आमदनी का साधन खेती और पशुपालन है।

राजधानी के कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में आयोजित आत्मनिर्भर पंचायत समृद्ध मध्यप्रदेश कार्यक्रम में मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि गांवों में भारत की आत्मा बसती है। गुलामी का दंश झेलने के बाद भी गांव का स्वाबलंबन नहीं बदला। गांवों की परिस्थिति नहीं बदली है। गांव में 25 पुलिस वाले थाना संभाल लेते हैं क्योंकि गांव के लोगों के लिए पुलिस की जरूरत नहीं होती। पुलिस तो गुंडों के लिए होती है। गांवों के लोग तो अनुशासित जीवन जीते हैं, उनके घर सामान्य बुलावे के लिए भी पुलिस पहुंचती है तो उसे अच्छा नहीं मानती। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी केन बेतवा नदी के लिए एक लाख करोड़ रुपए देने वाले हैं जिसमें से 45 हजार करोड़ एमपी और 45 हजार करोड़ यूपी को मिलेगा। इससे बुंदेलखंड की तस्वीर बदलने का काम होगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कुशाभाऊ ठाकरे सभागार परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

कांजी हाउस गायों के लिए जेल, हम गौशाला बनाएंगे

सीएम यादव ने कहा कि नगर निकायों में गायों को रखने के लिए कांजी हाउस बनाए जाते हैं। वास्तव में कांजी हाउस जेल जैसा है। हम गौशाला बनाएंगे और जिस गौमाता को लोग पाल नहीं पाएंगे उसे गौशाला में रखेंगे। इसके लिए सरकार 40 रुपए प्रति गाय अनुदान देंगे। जो दस से अधिक गाय देगा, उसे भी अनुदान देंगे। दूध पर भी बोनस देने की तैयारी में राज्य सरकार जुटी है। साथ ही बछिया खरीदने की गारंटी भी सरकार देगी।

मतभेद हैं तो भुलाने का काम करें अफसर-जनप्रतिनिधि- प्रहलाद पटेल

ग्रुप डिस्कसन करें जनप्रतिनिधि-अधिकारी, सरकार लेगी निर्णय

पंचायत मंत्री पटेल ने कहा कि केंद्र पोषित योजनाओं से कैसे अधिकतम लाभ लिया जा सकता है। यह अधिकारियों को देखना होगा। पेसा कानून आने के बाद नए कानून का संरक्षण हुआ है। उस पर भी विचार करना होगा। वन क्षेत्रों से सटी पंचायतों के लिए भी विचार करना है। वित्तीय अनुशासन के साथ हर पंचायत का लेखा जोखा रखना ही होगा। मनरेगा जैसी मजदूरी की योजनाएं जो रोजगार न दे पाएं तो गंभीर बात है। जाबकार्ड धारक को मजदूरी देना ही है। जल जीवन मिशन का पानी हर घर तक पहुंचेगा तो व्यवस्था सुधार होगा। उन्होंने कहा कि ग्रुप डिस्कसन भी किया जाएगा और जो सबकी चर्चा के बाद रिजल्ट आएगा उस पर सरकार विचार करके सरकार उस पर निर्णय लेगी।

नेक्स्ट स्टेप असफलता के कदम को समाप्त करने वाला होना चाहिए- मंत्री पटेल

कार्यक्रम में पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि नेक्स्ट स्टेप असफलता के कदम को समाप्त करने वाला होता है। छोटा कदम बड़े कदम की सफलता के लिए होता है। आपस में समन्वय के लिए आज जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, जिला पंचायत सीईओ आज यहां जुटे हैं। यहां से समन्वय का गुर सीख कर जाएंगे। पंचायतें आत्मनिर्भर होंगी तो मध्यप्रदेश भी आत्मनिर्भर और सशक्त होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव मजदूरों के हितों के लिए फैसला लेते हैं और यह उन्होंने अपने पहले फैसले में साबित भी किया है। पटेल ने कहा कि आज दो सत्र होंगे जिसमें कृषि को स्थायित्व देना और फायदे वाला बनाना होगा। इसके बाद पंचायतों को आत्मनिर्भर बनाने पर भी चर्चा होती है। अगर मतभेद हैं तो उसे भुलाकर आगे बढ़ने का रास्ता खोजें। बड़े शहरों से सटी पंचायतों को कैसे और सक्षम बनाया जा सकता है? यह देखना होगा।

कैबिनेट की बैठक में डॉ मोहन यादव ने की घोषणा...

रक्षा बंधन से पहले बहनों को मुख्यमंत्री ने दी सौगात...

एक तारीख को 250 रुपए अंतरित किए जाएंगे

कैबिनेट की बैठक में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा भारतीय संस्कृति में सावन माह का विशेष महत्व है। सावन माह में प्रत्येक लाडली बहन के खाते में आने वाली एक तारीख को ढाई सौ रुपए अंतरित किए जाएंगे।

यह राशि प्रतिमाह जारी होने वाली 1250 रुपए की राशि से अलग होगी लाडली बहनों को प्रतिमाह जारी होने वाले 1250 रुपए पूर्वानुसार उनके खाते में जारी किए जाएंगे मुख्यमंत्री डॉ यादव ने जनप्रतिनिधियों से रक्षाबंधन के पर्व पर सावन माह में अपने-अपने क्षेत्र की बहनों से राखी बंधवाने का आव्हान भी किया।

सावन और बाबा महाकाल की प्रथम सवारी पर मुख्यमंत्री ने की प्रदेशवासियों के सुख समृद्धि की कामना

आदिवासी अंचल के कलाकार भी सवारी में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं.

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि सावन का महीना और सोमवार का दिन बाबा महाकाल अपने धाम से नगर भ्रमण के लिए निकलते हैं। मां क्षिप्रा के किनारे से लेकर धूम-धाम से पूरे नगर में जब सवारी निकलती है तो उस सवारी का उत्साह और उमंग देखने लायक होता है। देश और दुनिया से लोग इस सवारी का दर्शन करने के लिए और अपनी मनोकामना लेकर नगर में आते हैं। और भी लोग जो जहां होते हैं वो वहां से इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के माध्यम से बाबा को नमन करते हैं।

भक्ति भावना का ये उत्सव और उमंग का एक सागर उमड़ता है। ऐसे में, मैं बाबा महाकाल की प्रथम सवारी पर आप सभी को बाबा महाकाल की ओर से मंगल कामना करता हूं।

डॉ यादव ने कहा कि हमने ये प्रबंध किए हैं कि बाबा की सवारी में जो व्यवस्था की जाए उसमें और चार चांद लगे। मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हमारे आदिवासी अंचल के भाइयों बहनों ने कहा है, क्रमशः जिलों से हम भी शामिल होंगे। इस वर्ष हमारे धार, झाबुआ के दल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। ये क्रम और बढ़ता जाएगा। मैं अपनी ओर से सभी मित्रों को बाबा महाकाल की श्रद्धालुओं को प्रणाम करता हूं। बाबा महाकाल हम सब पर कृपा करें। मध्यप्रदेश शासन के मंत्रीगण उसमें शामिल होंगे।

आज हमारे मंत्री श्रीमान तुलसी सिलावट जी मेरी अपनी ओर से वहां पर प्रतिनिधि के रूप में शामिल होंगे। मेरी आप सभी से विनम्र निवेदन है कि बाबा महाकाल की सवारी में आप सभी को उत्साह और उमंग के साथ स्वागत करें और हम सभी उसमें भागीदार बने।

मुख्यमंत्री ने किया हमीदिया अस्पताल का निरीक्षण

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सोमवार (22 जुलाई) को प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित शासकीय हमीदिया अस्पताल का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान सीएम यादव ने अस्पताल में मरीजों और उनके साथ मौजूद परिजनों से भी बातचीत की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह से अस्पताल प्रबंधन काम कर रहा है, उन्हें उम्मीद है कि अस्पताल में किसी को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी. मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि वर्षा काल चल रहा है, वर्षा काल में हमारे जो रेगुलर मरीज आ रहे हैं, वो स्वाभाविक रूप से आयेंगे, लेकिन मरीजों को आने में कोई कठिनाई न हो. डॉ यादव ने कहा कि हमीदिया हॉस्पिटल प्रदेश का सबसे बड़ा हॉस्पिटल है, जिसकी अपनी क्षमता 2250 बेड की है. अभी करीब 1850 बेड तैयार है. इनमें करीब 1400 मरीज हैं. हमारा हॉस्पिटल का मैनेजमेंट चल रहा है. हम उम्मीद कर रहे हैं कि इसमें किसी को कठिनाई नहीं आए. कुछ नए काम की दृष्टि से यहां मेरे पास प्रस्ताव भी आए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को मंत्री परिषद की बैठक से पहले, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने मध्य प्रदेश को हॉर्टिकल्चर और फूड प्रोसेसिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिला प्रथम पुरस्कार भेंट किया ।उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली के प्रगति मैदान में लगे एग्री एंड हॉर्टि एक्सपो में मंत्री श्री कुशवाहा को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया था ।

मध्य प्रदेश के नवाचारों की संसद में तारीफ, केंद्रीय वित्तमंत्री ने की बायो CNG प्लांट से लेकर केन-बेतवा की सराहना

भोपाल। मध्य प्रदेश के नवाचारों की तारीफ संसद में भी हो रही है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को आर्थिक सर्वेक्षण 2023 (श्चष्श्रठ्ठश्वद्बद्बष् स्ह्वह्म्1द्द4 2023) की रिपोर्ट पेश की थी। इस दौरान उन्होंने भारत में बड़े नवाचारों के रूप में बुंदेलखंड की नदी जोड़ो परियोजना केन-बेतवा लिंक प्रोजेक्ट और मप्र और पूर्वी राजस्थान में प्रस्तावित पार्वती-कालीसिंध-चंबल परियोजना का विशेष रूप से उल्लेख किया है। आइए इन प्रोजेक्ट्स के बारे में विस्तार से जानते हैं ...।

संसद में स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर की चर्चा- संसद में स्वच्छ भारत मिशन के तहत इंदौर शहर की चर्चा की गई, जो अपनी स्वच्छता और पर्यावरणीय पहल के लिए प्रसिद्ध है। इंदौर नगर निगम द्वारा स्थापित बायोफ्यूल प्लांट की क्षमता 500 टन प्रतिदिन है और इसे आर्थिक सर्वेक्षण में एक केस स्टडी के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

यह प्लांट पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आधारित है और प्रतिदिन लगभग 45 हजार क्यूबिक मीटर बायो गैस का उत्पादन करता है,

जिसमें से 17 हजार किलो बायो-सीएनजी बनती है। यह प्लांट सालाना 1.30 लाख टन कार्बन डाईआक्साइड उत्सर्जन को रोकने में मदद करता है और जैविक कचरा की प्रोसेसिंग क्षमता 400 मीट्रिक टन प्रतिदिन है।

केन-बेतवा लिंक परियोजना - केन-बेतवा लिंक परियोजना नेशनल पर्सपेक्टिव प्लान के अंतर्गत पहली परियोजना है। इसको भी संसद में चर्चा का हिस्सा बनाया गया। 2021 में अनुमोदित इस परियोजना में केंद्र सरकार ने 39 हजार 317 करोड़ रुपए का सहयोग मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश को दिया है।

परियोजना की कुल लागत 44 हजार 600 करोड़ रुपए है, जिसमें 5 हजार करोड़ से अधिक राशि दोनों राज्य वहन कर रहे हैं। इस परियोजना से चार जिलों बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर को लाभ मिलेगा।

पार्वती- कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना- पार्वती-कालीसिंध- चंबल लिंक परियोजना से मध्य प्रदेश और राजस्थान के 13-13 जिलों को सिंचाई और पीने के लिए पानी मिलेगा। इस परियोजना में कुल 72 हजार करोड़ रुपए खर्च होंगे, जिसमें मप्र सरकार 35 हजार करोड़ और राजस्थान सरकार 37 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगी। इस परियोजना से 6.17 लाख हेक्टेयर जमीन की सिंचाई होगी।

तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में शामिल एमपी- मध्यप्रदेश को तेजी से बढ़ते राज्यों में शामिल किया गया है और नीति आयोग के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल के इंडेक्स 2023-24 में इसकी प्रगति की चर्चा की गई है। वर्ष 2018 से 2023-24 के बीच मप्र 15 अंकों के साथ सबसे तेजी से आगे बढ़ने वाले राज्यों में शामिल है।

मध्यप्रदेश की किसान हितैषी नीति, विशेष रूप से भावांतर भुगतान योजना, की भी चर्चा की गई है। इस योजना के तहत किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (स्रस्क्क) और बाजार दर के बीच के अंतर के लिए मुआवजा दिया जाता है।

भोपाल में सरपंच संघ का प्रदर्शनः आदिवासी इलाकों की महिला सरपंचों को बाइक, 1 जुलाई के आदेश को निरस्त करने की रखी मांगे

भोपाल। सरपंच संघ ने अपनी 19 सूत्रीय मांगो को लेकर राजधानी भोपाल में ष्टरू हाउस के सामने प्रदर्शन किया। इसके लिए प्रदेशभर से सरपंच सुबह से ही जुटना शुरू हो गए है।

सरपंच संघ का कहना है कि जब तक मांगे पूरी नहीं होंगी तब तक पंचायतों में मंत्री और विधायकों को नहीं घुसने दिया जाएगा। सरकार आदिवासी इलाकों की महिला सरपंचों को बाइक खरीदने और हर महीने पेट्रोल का पैसा दे।

सरपंच संघ का आरोप है कि सरकार मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म कर रही है। 1 जुलाई 2024 के ऑर्डर को निरस्त किया जाए। ये हमारा सांकेतिक धरना था अगर मांगे पूरी नहीं हुई तो प्रदेशव्यापी बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

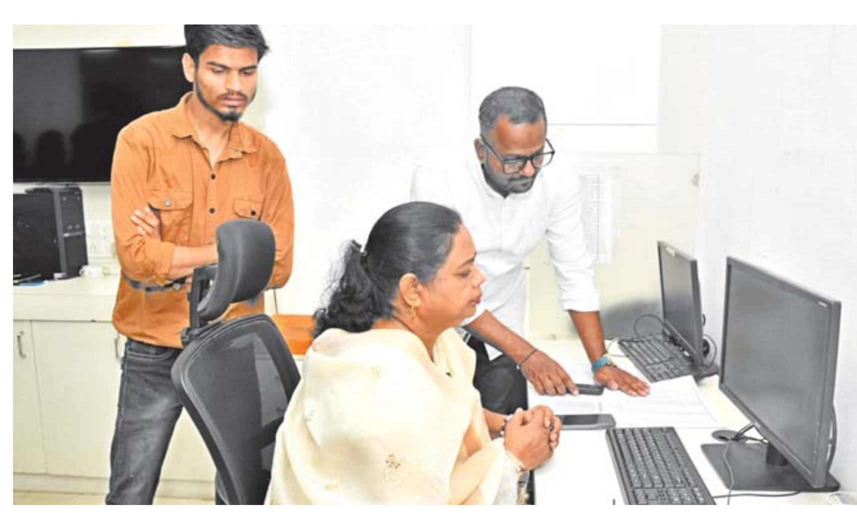

आज स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में महिला महापौर हेल्पलाइन के तहत प्राप्त शिकायतों की समीक्षा की एवं लाभार्थियों से फीडबैक लिया, साथ ही अधिकारियों को 24 घंटे मे समस्या हल करने हेतु आदेशित किया।